संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 56
पृष्ठ 8
गुरुवार
13 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कब्ज से परेशान? दूध में मिलाकर....
विचार- प्रदूषण पर विरोध और गिरफ्तारी ...
खेल- पहले टेस्ट में इस स्टार की टीम ...

सीएम योगी बोले–यूपी में ट्रॉफी का आना प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास को याद कराने वाला क्षण

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तमिलनाडु में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का बुधवार को अपने कालीदास मार्ग स्थित आवास पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में इसका स्वागत करना मेरे और प्रदेशवासियों के लिए आह्लादित करने वाला क्षण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में इस ट्रॉफी का आना प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास को याद कराने वाला है। हॉकी इंडिया में यूपी का योगदान अविस्मरणीय है। मेजर ध्यानचंद ने उत्तर प्रदेश की धरती में जन्म लिया था। उनके नेतृत्व में भारतीय हॉकी टीम ने तीन ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीते। प्रदेश सरकार मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्टस यूनिवर्सिटी बनवा रही है। इस वर्ष से पहला सत्र शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह भी उत्तर प्रदेश में जन्मे थे। उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए बाराबंकी में उनके निवास को एक म्यूजियम के रूप में बनाया जा रहा है। सीएम ने अन्य हॉकी खिलाड़ियों का भी जिक्र किया और कहा कि प्रदेश ने कई ऐसे खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने हॉकी इंडिया को सम्मान दिलाया।

खिलाड़ियों के सफलता की मंगलकामना भी की

वर्तमान में भी प्रदेश के राजकुमार पाल, उत्तम सिंह, विष्णुकांत सिंह, मुमताज, साक्षी, ज्योति, पूर्णिमा महिला व पुरुष वर्ग की सीनियर–जूनियर भारतीय टीम में चयनित होकर प्रदेश और देश को गौरवांवित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से जुड़े पदाधिकारियों का लखनऊ आगमन पर स्वागत करते हुए इसके सफल आयोजन की भी शुभकामना दी। उन्होंने विश्वकप में भारतीय खिलाड़ियों के सफलता की मंगलकामना भी की। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव सुहास एलवाई, निदेशक डॉ. आरपी सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, डीजी हॉकी इंडिया कमांडर आरके श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश हॉकी के महासचिव रजनीश कुमार मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

28 नवंबर से होगा आयोजन

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा। इसमें भारत, चीन, बेल्जियम जापान, स्पेन, न्यूजीलैंड चिली, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया समेत 24 टीम हिस्सा ले रही हैं। मेजबान भारत, जिसने वर्ष 2001 और 2016 में यह खिताब जीता था। इस बार घरेलू धरती पर तीसरी बार खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

लाल किले के पास धमाके में घायल हुए लोगों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

पीएम ने कहा- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा– "एलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली में हुए विस्फोट के घायलों से मिला। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल का दौरा कर लाल किले के पास हुए विस्फोट के पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस साजिश के पीछे के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कटघरे में लाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी भूटान से लौटने के बाद सीधे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से बातचीत की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान, अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद थी। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री को अस्पताल में डॉक्टरों और अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा स्थिति की जानकारी भी दी गई। यह विस्फोट सोमवार को लाल किले के ट्रैफिक सिग्नल के पास एक धीमी गति से चल रहे वाहन में हुआ था, जिसमें 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इससे पहले, सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की थी और उनका हालचाल जाना था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "एलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली में हुए विस्फोट के घायलों से मिला। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

72 घंटे का अल्टीमेटम, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को वह विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है, जिसमें अन्य च्यवनप्राश को श्धोखाश बताया गया था। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को निर्देश दिया कि वह 1तीन दिन में सभी इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और प्रिंट मीडियम से इस विज्ञापन को हटाए। हाई कोर्ट ने कहा, विज्ञापन के जरिए यह संदेश देना कि सिर्फ पतंजलि का ही प्रोडक्ड असली है और दूसरे धोखा है, यह गलत है और सामान्य तौर च्यवनप्राश की सभी कैटिगरी को बदनाम

करता है। जस्टिस तेजस करिया ने कहा, कोई भी शख्स अगर आयुर्वेदिक प्रोडक्ट का निर्माण कानून और उसमें दर्ज नियमों का पालन करते हुए करता है, तो उसके प्रोडक्ट को भ्रामक बताकर बदनाम नहीं किया जा सकता, जब कानून उसे अच्छी और स्वीकार्य आयुर्वेदिक औषधि मानता है। डाबर इंडिया पतंजलि द्वारा जारी किए गए 25 सेकंड के विज्ञापन से व्यथित था, जिसका शीर्षक था 51 जड़ी–बूटियाँ। 1 सत्य। पतंजलि च्यवनप्राश! पतंजलि के विज्ञापन में, एक महिला अपने बच्चे को च्यवनप्राश खिलाते हुए कहती है, चलो धोखा खाओ। इसके बाद, रामदेव कहते हैं, अधिकांश लोग च्यवनप्राश के नाम पर धोखा खा रहे हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह विज्ञापन एक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन, अर्थात् च्यवनप्राश से संबंधित है और योग एवं वैदिक प्रथाओं के जाने–माने विशेषज्ञ रामदेव द्वारा प्रस्तुत इस विज्ञापन के एक सामान्य दर्शक पर, उनका यह दावा कि केवल उनका उत्पाद ही असली च्यवनप्राश है, एक गहरी छाप छोड़ सकता है।

एग्जिट पोल को तेजस्वी यादव किया खारिज, बोले- 18 नवंबर को लूंगा शपथ

पटना, एजेंसी। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत की भविष्यवाणी करने वाले एग्जिट पोल को खारिज करते हुए कहा कि वह न तो झूठे आशावाद में जीते हैं और न ही गलतफहमी में। यादव ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ज़ोर देकर कहा कि लोग मतदान के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं और मतदान प्रक्रिया अभी खत्म भी नहीं हुई है, एग्जिट पोल बिहार चुनाव में एनडीए की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। उन्होंने सर्वेक्षण के सैंपल साइज़ और मानदंडों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। तेजस्वी यादव ने संवाददाताओं से कहा कि कल मतदान के दौरान लोग लंबी कतारों में खड़े रहे, शाम छह–सात बजे तक भी। लोग धैर्यपूर्वक वोट डालने का इंतज़ार करते रहे। और जब मतदान चल ही रहा था, एग्ज़िट पोल आने शुरू हो गए। हम न तो झूठे आशावाद में जीते हैं और न ही ग़लतफ़हमी में। ये सर्वेक्षण सिर्फ़ मनोवैज्ञानिक असर डालने के लिए, चुनाव प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए, पेश किए जाते हैं। अगर आप इन सर्वेक्षणों को दिखाने वालों से सैंपल साइज़ के बारे में पूछेंगे, तो कोई भी आपको नहीं बता पाएगा। न तो सैंपल साइज़ और न ही सर्वेक्षण के मानदंड सार्वजनिक किए गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि महागठबंधन ने मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद लोगों से फीडबैक लिया और 1995 के बिहार विधानसभा चुनावों से भी बेहतर नतीजे हासिल करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। तेजस्वी ने 18 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की अपनी पूर्व घोषणा को भी दोहराया और राज्य में बदलाव का हवाला देते हुए कहा कि लोगों ने एनडीए सरकार के ख़िलाफ़ बड़ी संख्या में वोट दिया है। यादव ने कहा, चुनाव समाप्त होने के बाद, हमने लोगों से फीडबैक लिया और हमें जो जानकारी मिली, वह बेहद सकारात्मक रही। पहले इतनी सकारात्मक प्रतिक्रिया कभी नहीं मिलती थी। आप कह सकते हैं कि इस बार हमें जो फीडबैक मिला है, वह 1995 के चुनावों से भी बेहतर है। सभी ने इस सरकार के ख़िलाफ़ बड़ी संख्या में वोट दिया है और इस बार बदलाव ज़रूर होगा। मैंने पहले ही कहा था कि नतीजे 14 तारीख को आएंगे और शपथ ग्रहण

असम में करीब 1.3 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, दो महिलाएं गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम की राजधानी से दो अभियानों के बाद करीब 1.3 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की गई और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुवाहाटी पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर बसिष्ठ थाना क्षेत्र के अंतर्गत खानापाड़ा में सुबह छापेमारी की गई और एक महिला को हिरासत में लिया गया। पोस्ट में कहा गया कि 47 वर्षीय महिला मणिपुर के चूराचांदपुर निवासी है। पुलिस ने कहा, "साबुन के 12 डिब्बे बरामद किए गए, जिनमें 138 ग्राम हेरोइन थी (साबुन के डिब्बे के बगैर यह वजन है) और एक मोबाइल फोन था। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।" पुलिस ने बताया कि इसी थाना क्षेत्र में एक अन्य अभियान के दौरान खानापाड़ा इलाके में किराए के एक मकान पर छापा मारा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक महिला के पास से दो तंबाकू के डिब्बों के अंदर 22 ग्राम हेरोइन, तीन चोरी के मोबाइल फोन और 13,000 रुपये नकद बरामद किए जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली में विस्फोट सरकार की विफलता : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दिल्ली में हुए विस्फोट को सरकार की विफलता करार देते हुए बुधवार को मांग की कि इस आतंकवादी कृत्य के दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि आगे ऐसी घटनाएं ना हों। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी घटना राष्ट्रीय राजधानी में हुई, जहां खुफिया ब्यूरो सहित सुरक्षाके लिए जिम्मेदार शीर्ष एजेंसियां काम करती हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि दिल्ली

में ऐसी सभी एजेंसियों की मौजूदगी के बावजूद सरकार विफल रही है और उनकी पार्टी पूरी रिपोर्ट का इंतज़ार करेगी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने विस्फोट की निष्पक्ष जांच के साथ इसके साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा दिलाने की सरकार से मांग की है। खरगे ने कहा, अब उन्होंने मामला राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दिया है। जांच रिपोर्ट आने दीजिए। संसद का सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। उसके बाद हम देखेंगे। बिहार चुनाव के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'एग्जिट पोल' में दावा किया गया है कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत होगी और नतीजे महागठबंधन के लिए उत्साहजनक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 'एग्जिट पोल' में हरियाणा में कांग्रेस को बढ़त दिखाई गई थी, लेकिन नतीजे बिल्कुल उलट आए। उन्होंने कहा, इसलिए, हमें 14 नवंबर तक इंतज़ार करना चाहिए, जब नतीजे आएंगे।

सिर्फ संदेह के आधार पर नहीं हो सकती सजा!

सुप्रीम कोर्ट ने निठारी कांड से सुरेंद्र कोली को बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य आरोपी सुरेन्द्र कोली को बरी करते हुए निठारी हत्याकांड की पुलिस जांच की तीखी आलोचना की और कहा कि पुलिस ने जांच के प्रमुख पहलुओं की उपेक्षा की। शीर्ष अदालत ने कोली को उस एकमात्र मामले में बरी कर दिया जिसमें उसकी आजीवन कारावास की सज़ा अभी भी बरकरार थी। उसे और उसके सह–आरोपी मोहिंदर सिंह पंधेर को पहले ही कई अन्य मामलों में बरी किया जा चुका था। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पिछले बरी करने के फैसले से सहमति जताते हुए कहा कि केवल संदेह के आधार पर दोषसिद्धि नहीं हो सकती, खासकर जब कोली को अन्य संबंधित मामलों में बरी किया जा चुका हो। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ परिस्थितिजन्य साक्ष्य फोरेंसिक सबूतों से समर्थित नहीं थे और अंग व्यापार से जुड़े सुरागों सहित प्रमुख जांच के रास्तों की उपेक्षा की गई। अदालत ने यह भी कहा कि कोली का कथित कबूलनामा अविश्वसनीय है, क्योंकि वह 60 दिनों से ज़्यादा समय तक बिना किसी कानूनी सहायता या मेडिकल जांच के हिरासत में रहा।

शासन को अधिक पारदर्शी बनाना सरकार लक्ष्य : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार का प्रयास शासन–प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करना और जनभागीदारी से शासन को और अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना है। श्रीमती रेखा गुप्ता ने बुधवार को जनसेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान राजधानी के विभिन्न इलाकों से आए नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने जनता की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई हो ताकि लोगों को उनके अधिकारों और सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि शासन–प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त किया जाए और जनभागीदारी से शासन को और अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया जाए। जनसंवाद ही सुशासन की आत्मा है। जनता से जुड़ना, उनकी बातें सुनना और समाधान देना ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है। इसी संवाद से हमारे श्सुशासनश का संकल्प और मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में यह जनसुनवाई कार्यक्रम दिल्ली सरकार के 'जनसहभागिता और पारदर्शी शासन' के प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित
एवं सरायगनी ग्रामोद्योग संस्थान, प्रयागराज द्वारा आयोजित
गांधी शिल्प बाजार (राज्य)

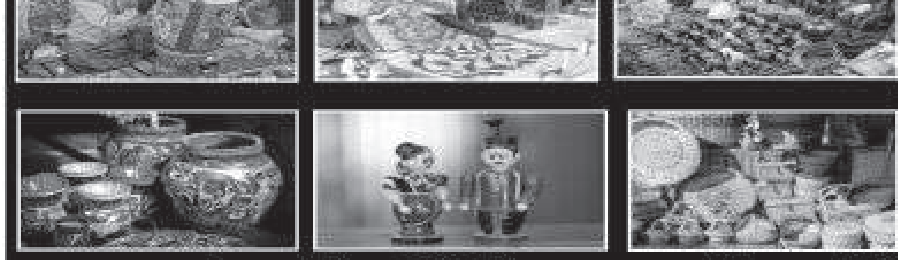

भारत सरकार के प्रान्तों से हस्तशिल्पियों हथकरघा बुनकरों के उत्पादों की
प्रदर्शनी एवं बिक्री
इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।
भारतीय handicrafts हस्तशिल्प
08 नवम्बर से 17 नवम्बर 2025
स्थान– 34 सी, कूपर रोड, बिग बाजार के ठीक पीछे वाला मैदान, सिविल लाइंस प्रयागराज

यूपी बोर्ड 10वीं–12वीं एग्जाम की डेटशीट बदली

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी बोर्ड ने 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा की समय सारिणी में बदलाव किया है। इंटरमीडिएट संस्कृत की परीक्षा अब 12 मार्च को दूसरी शिफ्ट में

होगी, पहले 20 फरवरी को सुबह की शिफ्ट में इंटरमीडिएट संस्कृत और शाम की शिफ्ट में इंटर अंग्रेजी की परीक्षा थी। ऐसे में दोनों विषय लेने वाले स्टूडेंट्स को दिक्कत होती। इसे लेकर भी दोनों विषय लेने वाले छात्र परेशान थे। प्रधानाचार्यों ने इसके लिए भी यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह को पत्र भेजा था। इसके बाद सचिव की ओर से इसमें भी बदलाव किया गया। अब हाईस्कूल की हिंदी और प्रारंभिक हिंदी की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 को पहली शिफ्ट में और इंटरमीडिएट की हिंदी और सामान्य हिंदी की परीक्षाएं 18 फरवरी को दूसरी शिफ्ट में होंगी। पहले 18 फरवरी को सुबह में हाईस्कूल हिंदी और इंटर सामान्य हिंदी, जबकि शाम में हाईस्कूल प्रारंभिक हिंदी और इंटर हिंदी (साहित्यिक) की परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया था। बोर्ड के इस निर्णय से हाईस्कूल के 2750945 और इंटरमीडिएट के 2479352 छात्र–छात्राओं ने राहत की सांस ली है।

वाराणसी की 12 वर्षीय बच्ची प्रयागराज में मिली

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते अभियान के तहत एक और नाबालिग बच्ची को सुरक्षित बचाया गया है। प्रयागराज जंक्शन पर गाड़ी संख्या 04451 हावड़ा–नई दिल्ली स्पेशल से एक 12 वर्षीय बच्ची को RPF टीम ने सकुशल बरामद कर चाइल्ड लाइन प्रयागराज को सुपुर्द किया। यह अभियान रेलवे सुरक्षा बल की एक संवेदनशील पहल है,

जिसके तहत रेलवे परिसरों और ट्रेनों में पाए जाने वाले बच्चों को बचाने का कार्य किया जाता है। यह केवल एक सुरक्षा कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन हजारों बच्चों के लिए जीवनरेखा बन चुका है जो किसी कारणवश घर से भटक जाते हैं या सहायता की आवश्यकता में होते हैं। प्रयागराज आरपीएफ को सूचना मिली कि हावड़ा–नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन में एक नाबालिग बच्ची अपने घर से नाराज होकर अकेली यात्रा कर रही है। सूचना मिलते ही त्व्थ के सहायक उपनिरीक्षक कमलेश प्रसाद मिश्रा और मेरी सहेली टीम की महिला कांस्टेबल प्रियंका देवी ने तुरंत ट्रेन को अटेंड किया। ट्रेन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर पहुंचने पर बच्ची को सुरक्षित पाया गया और उसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज लाया गया। पूछताछ में बच्ची ने अपना नाम और पता बताते हुए कहा कि वह वाराणसी जिले के थाना चोलापुर क्षेत्र की रहने वाली है और घर से नाराज होकर निकली थी। फिलहाल बच्ची को महिला कॉन्स्टेबल प्रियंका देवी की देखरेख में सुरक्षित रखा गया और चाइल्ड लाइन प्रयागराज को सूचना दी गई। बाद में चाइल्ड लाइन प्रयागराज की केस वर्कर टीम त्व्थ पोस्ट पहुंची। सत्यापन और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद बच्ची को चाइल्ड लाइन प्रयागराज को आगे की कार्यवाही के लिए सुपुर्द किया गया। रेलवे प्रशासन ने आमजन और यात्रियों से अपील की है कि यदि रेलवे परिसर या ट्रेनों में किसी भी बच्चे को असुरक्षित या संकट में देखें तो तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना दें।

सौतेली मां को दे दी मृतक आश्रित की नौकरी

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पिता की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में सौतेली मां की नियुक्ति के समय नाबालिग बेटी की सुरक्षा, संरक्षा व भविष्य कल्याण सुनिश्चित न करने पर अधिकारियों की खिंचाई की है। नगर आयुक्त, नगर निगम प्रयागराज को 13 नवंबर को तलब किया है। कोर्ट ने कहा मृतक आश्रित सेवा नियमावली के तहत नियुक्ति परिवार के केवल एक सदस्य की हो सकती है। ऐसे में आश्रितों के हित सुरक्षित करने के लिए एक सदस्य की नियुक्ति के समय आश्रितों की देखभाल व उनके हितों की पूर्ति करने का हलफनामा लेना चाहिए। अधिकारियों ने ऐसा कुछ नहीं किया। सौतेली मां को नौकरी दे दी और मृतक कर्मचारी की आश्रित नाबालिग याची को मामा के साथ रहना पड़ रहा है। कोर्ट ने कहा अधिकारियों का कानूनी ही नहीं नैतिक दायित्व है कि वह नाबालिग आश्रित की सुरक्षा संरक्षा व भविष्य कल्याण के हितों को सुरक्षित करें।ऐसी व्यवस्था करें ताकि आश्रित के अधिकार व हित सुरक्षित रहे। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने वर्षा की याचिका पर दिया है। याची के पिता नगर निगम कर्मचारी थे। सेवाकाल में उनकी 4 जून 23 को मौत हो गई। इनकी पहली पत्नी की 2009 मे ही मौत हो गई थी तो सुशीला देवी से शादी की थी। याची की सौतेली मां की अर्जी पर उसे आश्रित कोटे में नियुक्ति दे दी गई। किंतु नाबालिग आश्रित के भविष्य कल्याण का ध्यान नहीं दिया गया। कोर्ट के निर्देश पर याची को नगर निगम ने 10,69,960 रुपए के दो चेक दिए। लेकिन उसकी पढ़ाई और भविष्य के बारे में विचार नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा यह अधिकारियों का दायित्व था, जिसे उन्होंने नहीं निभाया। इसलिए नगर आयुक्त को कोर्ट ने तलब किया है।

प्रयागराज कमिश्नर ने महाकुंभ कार्यो की समीक्षा की

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज की कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों से जुड़े 43 कार्यों की समीक्षा की। मेला प्राधिकरण सभागार में हुई इस बैठक में कई कार्यों में खामियां पाई गईं, जिस पर कमिश्नर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को गहनता से जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण (PDA) के सर्वाधिक कार्य थे। जब PDA के अभियंताओं ने खामियों वाले कार्यों को अपने स्तर पर समझाने का प्रयास किया, तो कमिश्नर सौम्या अग्रवाल और PDA उपाध्यक्ष ऋषिराज ने उन्हें फटकार लगाई। उन्होंने अभियंताओं को शांत कराते हुए सही रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। गौरतलब है कि महाकुंभ के इन कार्यों पर पूर्व कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने भी जांच बिठाई थी। उनके कार्यकाल तक यह जांच जारी रही, लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद जिम्मेदार अधिकारियों ने अपनी सुविधानुसार रिपोर्ट देनी शुरू कर दी थी। वर्तमान कमिश्नर ने मंगलवार को इन्हीं कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा में कमी पाए जाने पर कमिश्नर ने अधिकारियों को ठेकेदारों के माध्यम से कार्यों को दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। PDA अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे इन कार्यों को नगर निगम को हस्तांतरित करें। सभी कमी वाले कार्यों की जांच और थर्ड पार्टी से समीक्षा कराने के आदेश दिए गए।

प्रयागराज मेडिकल कॉलेज पहुंचे खुफिया एजेंसी के अफसर

लेडी आतंकी शाहीन के रिकॉर्ड की पड़ताल, खंगाले रिकॉर्ड

प्रयागराज (संवाददाता)। दिल्ली ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार डॉक्टर शाहीन सईद की गतिविधियों को लेकर खुफिया एजेंसियां अब उसके शैक्षणिक रिकॉर्ड की भी गहराई से जांच कर रही हैं। इसी कड़ी में एजेंसी की एक टीम बुधवार को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पहुंची और वहां उससे बंधित दस्तावेजों की पड़ताल की।

सूत्रों के मुताबिक, शाहीन सईद इसी कॉलेज से कुछ साल पहले एमबीबीएस की डिग्री लेकर निकली थीं। खुफिया एजेंसी के अफसर यह जानने की कोशिश कर रही है कि उनके कॉलेज के दिनों में किन लोगों से संपर्क था और क्या उस दौरान कोई संदिग्ध गतिविधि या नेटवर्क से जुड़ाव के संकेत मिले थे।

बुधवार सुबह 11 बजे के करीब मेडिकल कॉलेज में पहुंची खुफिया टीम के तीन अफसरों ने कॉलेज प्रशासन से शाहीन सईद की एडमिशन डिटेल, इंटर्नशिप रिपोर्ट, शिक्षकों के बयान और छात्रावास के रजिस्टर तक की जानकारी मांगी। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि शाहीन पढ़ाई के दौरान भी तो किसी संदिग्ध संगठन से जुड़ी तो नहीं रही।

खुफिया एजेंसियां शाहीन सईद की भूमिका को लेकर कई एंगल पर पड़ताल में जुटी हैं। माना जा रहा है कि 1996 से 2003 तक मेडिकल कॉलेज में रहकर पढ़ाई करने के दौरान के उसके बैचमेट्स से भी खुफिया एजेंसियां संपर्क साध सकती हैं। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह 2007 में पासआउट

होने के बाद वह प्रयागराज में कब–कब आई। दरअसल 2021 में ही 1996 बैच के डॉक्टरों का एलुमिनाई मीट मेडिकल कॉलेज में आयोजित हुआ था।

खुफिया एजेंसी की टीम के दो अफसर बुधवार को मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में भी पहुंचे। यहां कार्यालय में पहुंचकर डा. शाहीन से संबंधित रिकॉर्डों की पड़ताल की। उनके कुछ बैचमेट्स का नाम भी नोट किया गया।

सूत्रों का कहना है कि कॉलेज प्रशासन ने एजेंसी को सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी उपलब्ध कराए हैं। जांच टीम ने कॉलेज के आईटी सेक्शन और अकादमिक शाखा से भी बातचीत की है।

2016 से दोस्तों से कट गई थी लेडी आतंकी शाहीन

प्रयागराज के मेडिकल कॉलेज से की थी डॉक्टरी की पढ़ाई, खुद को रिजर्व रखती थीं।

प्रयागराज (संवाददाता)। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के आरोप में गिरफ्तार डॉ. शाहीन का प्रयागराज से पुराना नाता रहा। दरअसल, वह 8–10 वर्षों तक मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में रहकर एमबीबीएस व पीजी की पढ़ाई की थी।

बम ब्लास्ट में डॉ. शाहीन का नाम आते ही उनके साथ एमबीबीएस करने वाले पुराने साथी भी अचरज में हैं। वर्ष 1996 बैच की डॉ. शाहीन के बैच में 84 एमबीबीएस छात्र–छात्र रहे। लेकिन डॉ. शाहीन अपनी क्लास की सबसे रिजर्व रहने वाली स्टूडेंट मानी जाती थी। नाम न छापने की शर्त पर उस बैच के एक डॉक्टर बताते हैं कि साहिन का नाम दिल्ली बम ब्लास्ट में आने के बाद हर कोई हतप्रभ हो गया। कभी सोचा ना था कि जो स्टूडेंट हमारे साथ पढ़ाई करती हो वह इतने बड़ी आतंकी हमले में शामिल होगी। आगे बताते हुए कहते हैं, 2016 के बाद से वह किसी के संपर्क में नहीं रही। 1996 बैच का सिल्वर जुबली 2021 में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में हुआ था। इसमें सभी उस बैच के सभी पुरा छात्रों को आमंत्रित किया जा रहा था। शाहिन से भी संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया था।

उनके बैच के एक डॉक्टर उन दिनों का जिक्र करते हुए बताया कि शाहीन लखनऊ की रहने वाली थी। 2–3 बार हमने मेडिकल से संबंधित किताबें उससे लखनऊ से मंगवाई थी। दरअसल, एमबीबीएस की किताबें प्रयागराज में नहीं मिल पाती थी इसकी वजह से कई छात्र शाहीन से किताबें मंगाया कराते थे।

हालांकि डॉ. शाहीन के बारे में कोई भी कुछ बातचीत करने से परहेज कर रहा है। मेडिकल कॉलेज के स्टाफ का कहना है कि आज इस नामचीन मेडिकल कॉलेज का नाम इसलिए चर्चा में आएगा, यह कभी सोचा नहीं था।

15.67 लाख के गबन में दोषी डाककर्मियों से वसूली

प्रयागराज में 7 साल पहले मृत पूर्व ज्वाइंट रजिस्ट्रार के खाते से निकाली गई थी रकम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व ज्वाइंट रजिस्ट्रार अशोक कुमार वर्मा के पोस्ट ऑफिस खाते से 15.70 लाख रुपए के गबन की जांच अब तेज हो गई है। विभागीय जांच में निलंबित चारों पोस्ट ऑफिस कर्मचारियों पर वसूली की तलवार लटक रही है। अगर जांच में उनकी संलिप्तता साबित होती है, तो उनसे पूरी रकम की वसूली की जाएगी।

यह मामला तब सामने आया था जब अशोक कुमार वर्मा की पत्नी मधुबाला श्रीवास्तव अपने पति के खाते की रकम निकालने उत्तराधिकार प्रमाणपत्र लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट पोस्ट ऑफिस शाखा पहुंचीं। उनका आरोप है कि पासबुक एंट्री कराने पर उन्हें पता चला कि खाते से 15 लाख से ज्यादा रुपए पहले ही निकाले जा चुके हैं। खाते से 2024 और 2025 के बीच लाखों की निकासी हुई थी, जबकि खाते में किसी भी नामिनी का नाम दर्ज नहीं था।

पोस्ट ऑफिस प्रशासन की शुरुआती जांच में सामने आया कि खाते से निकासी के दौरान केवाईसी अपडेट और सत्यापन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं

की गईं। इसी आधार पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट की प्रारंभिक पड़ताल में उप डाकपाल संतोष कुमार राम, मनोज यादव, डाक सहायक विधान चंद्र ठाकुर और मनीष कुमार की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। चारों को निलंबित किया जा चुका है। विभागीय जांच फिलहाल जारी है।एक अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ये कर्मचारी दोषी पाए जाते हैं, तो उनसे पूरी 15.67 लाख रुपये की रकम वसूली जाएगी।

दिवंगत अधिकारी की पत्नी मधुबाला श्रीवास्तव ने विभाग से ब्याज सहित पूरी रकम लौटाने की मांग की है। उनका कहना है कि जिम्मेदार कर्मचारियोंध अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कौड़िहार ब्लॉक प्रमुख पर छठी बार गैंगस्टर

भतीजे समेत 18 नामजद, मुजफ्फर पर 53 तो गिरोह पर 200 केस

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में कौड़िहार ब्लॉक प्रमुख और गोतस्कर मोहम्मद मुजफ्फर एक बार फिर पुलिस के निशाने पर आ गया है। प्रयागराज पुलिस ने इस बार मुजफ्फर, उसके भतीजे जैद समेत गिरोह के कुल 18 सदस्यों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई की है।

इस साल फूलपुर और सोरांव थानों में दर्ज दो अलग–अलग गोकशी के मुकदमों को आधार बनाकर यह कार्रवाई की गई है।

पांच बार पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

मोहम्मद मुजफ्फर पर यह छठी बार गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई हुई है।

2014 – भदोही के औराई थाना क्षेत्र में पहली बार गैंगस्टर की कार्रवाई हुई।

2017 – प्रयागराज के नवाबगंज थाना पुलिस ने उस पर गैंगस्टर लगाया।

2021 – पूरामुफ्ती थाना पुलिस ने मुजफ्फर समेत 13 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

2022 – फतेहपुर के खागा थाना क्षेत्र में उस पर फिर गैंगस्टर लगाया गया।

2024 – कोखराज थाना पुलिस ने मुजफ्फर और उसके गुर्गों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया।

2025 – अब फूलपुर और सोरांव थानों की कार्रवाई के आधार पर छठी बार उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लागू हुआ है।

50 से ज्यादा केस, जेल से जीता था चुनाव

पुलिस रिकॉर्ड में नवाबगंज के चफरी गांव का रहने वाला मुजफ्फर, अंतरजनपदीय गोतस्कर गिरोह का सरगना है। प्रयागराज के अलावा वाराणसी, कौशांबी, फतेहपुर, भदोही और चंदौली जिलों में उस पर 53 केस दर्ज हैं। 2021 में गैंगस्टर केस में जेल भेजे जाने के बाद भी उसने जेल में रहते हुए ब्लॉक प्रमुख का चुनाव जीता था।

एसीएस वन समेत तीन अफसरों को अवमानना नोटिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अनिल कुमार अपर मुख्य सचिव वन विभाग, सुनील चौधरी प्रमुख मुख्य वन संरक्षक एवं गौतम सिंह, क्षेत्रीय निदेशक सामाजिक वानिकी को आपराधिक अवमानना नोटिस जारी कर 8 दिसंबर को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा इन्होंने सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आदेश के विपरीत लिखित आदेश देकर न्यायालय के प्राधिकार को नीचे करने के

हर कदम उठाए हैं जो आपराधिक अवमानना है। कोर्ट ने वन विभाग में दैनिक कर्मचारियों याची व तमाम अन्य लोगों को नौकरी पर रखने का आदेश दिया था, जिसका पालन न कर कोर्ट आदेश को फ्रस्टेट किया है। न्याय प्रशासन में व्यवधान उत्पन्न किया है। कोर्ट ने विपक्षी अधिकारियों को जवाबी या अनुपालन हलफनामा दाखिल करने की भी छूट दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने ओंकार सिंह की आपराधिक अवमानना याचिका पर दिया है । याची ने महाधिवक्ता की अनुमति लिए बगैर सीधे कोर्ट में आपराधिक अवमानना दाखिल करने की कोर्ट से अनुमति मांगी। इस पर कोर्ट ने कहा, हलफनामा व आदेश पढ़ने के बाद साफ हो गया है कि विपक्षी अधिकारियों ने कोर्ट आदेश की आपराधिक अवहेलना की है। कोर्ट ने कहा आपराधिक अवमानना याचिका दायर करने से पहले महाधिवक्ता की अनुमति लेने का नियम सिर्फ व्यर्थ की अवमानना याचिका दाखिल होने से रोकना है। कहीं पर भी सीधे कोर्ट में आपराधिक अवमानना याचिका दायर करने पर रोक नहीं है। कोर्ट को आपराधिक अवमानना मामले में स्वयं अपनी मर्जी से कार्रवाई करने का अधिकार है। इसलिए कोर्ट ने अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए नोटिस जारी की है। कोर्ट ने कहा अर्जी सिविल अवमानना लगती है लेकिन गहराई में जाने पर साफ होता है कि यह आपराधिक अवमानना है। विपक्षी अधिकारियों के आचरण से स्पष्ट है कि उन्होंने कोर्ट के अधिकार को कम करने का काम किया है। आदेश के विपरीत आदेश जारी किया है। याचिका की अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी।

प्रयागराज के शंकरगढ़ क्षेत्र से युवक लापता

प्रयागराज (संवाददाता)। शंकरगढ़ क्षेत्र के वार्ड नंबर 4, यादवनगर निवासी 24 वर्षीय हरिओम तिवारी 10 नवंबर की सुबह

से लापता हैं। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में परीक्षा देने के लिए सारनाथ एक्सप्रेस से निकले थे, लेकिन न तो विश्वविद्यालय पहुंचे और न ही अब तक घर लौटे हैं। हरिओम तिवारी 10 नवंबर को अपने निवास स्थान से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लिए रवाना हुए थे। उनके परिजनों के अनुसार, वह परीक्षा देने जा रहे थे। हालांकि, उनका विश्वविद्यालय पहुंचना या घर लौटना अभी तक नहीं हुआ है, जिससे परिवार चिंतित है। हरिओम के पिता प्रवीण कुमार तिवारी ने अपने पुत्र की तलाश में पुलिस उपयुक्त यमुनानगर से शीघ्र कार्रवाई की गुहार लगाई है। उन्होंने प्रशासन से हरिओम का पता लगाने में सहयोग का अनुरोध किया है। यदि किसी भी व्यक्ति को हरिओम तिवारी के संबंध में कोई जानकारी मिलती है, तो कृपया तत्काल नजदीकी पुलिस थाने या उनके परिजनों से संपर्क करें।

प्रयागराज में 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान जारी

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट के गंगानगर जोन में श्मिशन शक्ति 5.0श अभियान चलाया गया। 12 नवंबर को गंगानगर जोन के सभी थानों की महिला पुलिसकर्मियों और मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक

किया। यह अभियान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत संचालित किया गया। पुलिस टीमों ने अपने–अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों और भीड़–भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर जाकर जागरूकता फैलाई। इस दौरान बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई और सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के सुझाव दिए गए। टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को बताया कि किसी भी परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में वे तत्काल डायल–112 या मिशन शक्ति टीम से शिकायत कर सकती हैं। उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे पुलिस आपात सेवा–112, वूमेन पावरलाइन–1090, महिला हेल्पलाइन–181, सीएम हेल्पलाइन–1076, साइबर हेल्पलाइन–1930 और मिशन शक्ति केंद्र के बारे में भी जानकारी दी गई। यह अभियान पुलिस आयुक्त और अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में तथा पुलिस उपायुक्त गंगानगर और अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में संचालित किया गया। जागरूकता बढ़ाने के लिए पम्पलेट भी वितरित किए गए।

महेवा कला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मांण्डा ब्लॉक स्थित दिघिया गांव में बुधवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का

आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांडा के तत्वावधान में सशक्ति परियोजना के तहत ग्राम पंचायत भवन दिधिया (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) में यह शिविर लगाया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विभिन्न बीमारियों की जांच कराई और निःशुल्क दवाएं तथा चिकित्सीय परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान टीबी (क्षय रोग) सहित कई अन्य रोगों की जांच की गई। ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी नवंबर माह के काव्य गोष्ठी ऑनलाइन बाल दिवस के उपलक्ष्य पर सफलतापूर्वक संपन्न।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि डा. भावना शुक्ला, सारस्वत अतिथि डा. कामना कौस्तुभ सारस्वत विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना मलैया एवं चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति मंजूषा किंजवडकर द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। कृष्णा राजपूत गायत्री चौबे, आरती शर्मा,रेखा चौधरी,मंजूषा किंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन मुकुल तिवारी ने किया।

नरेन्द्र शर्मा को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

प्रयागराज। इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गोविन्द वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के भूगोल विषय में शोधप्रबन्ध को पूर्ण कर नरेन्द्र कुमार शर्मा ने डाक्टरेट की उपाधि हासिल की है। नरेन्द्र शर्मा ने फलाइट फॉर फयूचर अण्डरस्टैंडिंग इन्टरनेशनल माइग्रेशन फ्राम उत्तर प्रदेश टू एशियन कंट्रीज अ एक्सप्लोरेटरी स्टडी विषय पर जनसंख्याविद असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ कुणाल केशरी के मार्गदर्शन में अपना शोधकार्य पूर्ण किया है। शोधकार्य के दौरान इन्हें यूजीसी द्वारा जे आर एफ फेलोशिप भी प्रदान की गई। डॉ. शर्मा के अनेकों शोधपन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में प्रस्तुत व प्रकाशित हुए हैं। अनुसंधानात्मक शिक्षण के क्षेत्र में ये सतत सक्रिय हैं। डॉ.नरेन्द्र शर्मा अभावपूर्ण जीवन से संघर्ष करते हुए अपनी सच्ची लगन से इस मुकाम पर पहुँचे हैं। इन्होंने अपने अनुसंधान कार्य का श्रेय अपने शोध पर्यवेक्षक डॉ. कुणाल केशरी सहित प्रो. बद्री नारायण, प्रो. अर्चना सिंह, डॉ चन्द्रैया गोपानी, डॉ तानिया देबनाथ को दिया है। साथ ही अपनी माँ श्रीमती देवी, पिता श्री गुलाब चन्द्र शर्मा, भाई श्री राजेन्द्र प्रसाद , शैलेन्द्र कुमार, देवेन्द्र , बहन श्रीमती मिथिलेश, कीर्ति, प्रीति सहित सभी पारिवारिक सदस्यों के प्रति आभार जताया है। डाक्टरेट की उपाधि मिलने पर वरिष्ठ कनिष्ठ अनुसंधाता डॉ. रमा शंकर सिंह, डॉ. पीयूष पाण्डेय, डॉ तिलक सिंह, डॉ जितेन्द्र सिंह, डॉ नंद किशोर, डॉ नम्रता अहिरवार, सतीश खरवार, गौरव मौर्य, अभय सरोज, निलेश पंत, अनुराग पाण्डेय, प्रदीप रावत, शशिकांत आदि ने बधाई दी है। इस उपलब्धि पर नरेन्द्र शर्मा के गांव बीकापुर अयोध्या के लोगों में खुशी की लहर है।

सीएम योगी की आधी रात तक डीजीपी–चीफ सेक्रेटरी संग बैठक

अयोध्या–काशी के अफसरों से सीधी बात

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली विस्फोट का कनेक्शन सीधे यूपी से जुड़े होने के मिले तथ्य पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने त्वरित कदम उठाए। देवीपाटन मंदिर से ही डीजीपी, मुख्य सचिव संग डीजी इंटेलिजेंस के साथ वर्चुअली समीक्षा की। सीएम ने मथुरा, काशी, आयोध्या की सुरक्षा को अभेद्य करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल मूव करने के निर्देश दिए। तीनों मुख्य शहरों के डीएम व कमिश्नर को भी मंदिरों की सुरक्षा की निगरानी को मौके पर पहुंचने को कहा। मंदिर से ही सीएम आधी रात तक डीजीपी व मुख्य सचिव से सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे हर कदम की पल–पल जानकारी लेकर दिशा–निर्देश देते रहे। प्रदेश मुख्यालय से लगभग 160 किलोमीटर दूर भारत–नेपाल सीमा पर स्थित देवीपाटन मंदिर के ब्रह्मलीन महंत को श्रद्धांजलि देने सीएम योगी आदित्नाथ यहां आए थे। संत सम्मेलन शुरू होने के कुछ घंटे बाद डीजी इंटेलिजेंस की ओर से दिल्ली के लालकिले पर हुए विस्फोट की जानकारी दी गई। जिस पर सीएम ने तुरंत सक्रिय हुए। उन्होंने तत्काल डीजीपी, मुख्य सचिव को काशी विश्वनाथ, मथुरा–वृंदावन संग आयोध्या की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। सुरक्षा एजेंसियों को भी एक्टिव मोड पर कर दिया गया। सीएम ने खुद ही तीनों शहरों के डीएम व कमिश्नर से सीधे बात कर सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा ही नहीं की, बल्कि सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी व जरूरत होने पर तत्काल डीजीपी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। दिल्ली में हुई घटना के आधार पर संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही हाई अलर्ट घोषित करते हुए डीएम व एसपी को भी जिलों में गहन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। सीएम देर रात तक मीटिंग के बाद हर गतिविधि की पल–पल जानकारी लेते रहे। सीएम ने सीधे कहा कि किसी भी दशा में सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए।

सीसीआरएच ने किया एएमटीजेड के साथ आपसी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर

पिठापुरम। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने बुधवार को आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन (एएमटीजेड) विशाखापत्तनम (आंध्रप्रदेश) के साथ आपसी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया। एएमटीजेड विशाखापत्तनम की ओर से मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी श्री जितेंद्र शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

इस समारोह में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अन्य अधिकारियों, डॉ. देबदत्त नायक, सहायक निदेशक (एच) और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) की डॉ. श्वेता गौतम आदि उपस्थित थे।इस अवसर पर उक्त अधिकारियों ने एएमटीजेड परिसर का दौरा भी किया।

अपने दौरे के दौरान, उन अधिकारियों ने केआईएचटी और एआरसी टीमों के साथ विस्तार से बातचीत की और विश्वविद्यालय का भी दौरा किया तथा सहयोग के अन्य अवसरों की तलाश की । साथ ही उन लोगों ने प्री–क्लीनिकल अनुसंधान में प्रगति पर चर्चा की।

डॉ. श्वेता गौतम ने मेडीवैली और बायोवैली की प्रयोगशालाओं के साथ–साथ पशु अनुसंधान केंद्र सहित कई अत्याधुनिक सुविधाओं का भी दौरा किया और संस्था के अत्याधुनिक अनुसंधान क्षमताओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

पूर्व–नैदानिक अध्ययनों में सहयोग को मजबूत करने के लिए एएमटीजेड और सीसीआरएच के बीच आपसी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, जो नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगंतुक टीम ने एएमटीजेड पारिस्थिति की तंत्र और चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता की सराहना की और उससे बेहद प्रभावित हुए।

अम्बिकेश, जानसी से छात्र लें प्रेरणा : विक्रम बहादुर सिंह

अखिल भारतीय गणित मेले में ज्वाला देवी के विद्यार्थियों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस, प्रयागराज के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय गणित मेला में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। अम्बिकेश त्रिपाठी ने गणित प्रयोग (बाल वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जानसी अग्रहरि ने भी बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए वैदिक गणित मॉडल श्रेणी में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया है।

विद्यालय के वंदना सत्र में मेधावी छात्र–छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने विजेता छात्र,छात्राओं को सम्मानित किया और उनकी शानदार उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई दी।

प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि अम्बिकेश और जानसी ने ना केवल अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, बल्कि उन्होंने यह भी सिद्ध किया है कि परिश्रम और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने दोनों विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और अन्य छात्रों को भी उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। विद्यालय परिवार इन दोनों प्रतिभावान विद्यार्थियों की सफलता पर गर्व महसूस करता है और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है। यह सफलता विद्यालय में विज्ञान और गणित के प्रति छात्रों की बढ़ती रुचि और समर्पण को दर्शाती है।

राज्य की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी में बड़ा भागीदार बनेगा पर्यटन विभाग

– कम खर्च में सर्वाधिक आय वाला महकमा सिर्फ टूरिज्म डिपार्टमेंट

– पर्यटन विभाग अब सफेद हाथी नहीं

– पहले न कोई नीति थी न रीति–जयवीर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य में बड़ा भागीदार पर्यटन विभाग बनने जा रहा है। कम खर्च में सर्वाधिक आय वाला महकमा सिर्फ टूरिज्म डिपार्टमेंट ही है।उत्तर प्रदेश की ओर देशी ही नही विदेशी पर्यटकों का रूख प्रमाण है। पर्यटन विभाग अब सफेद हाथी नही रहा। आज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बनकर उभरा है। पहले यह महकमा पहचान का मोहताज था,इस महकमे में क्या–क्या होता है और क्या–क्या हो सकता है, आमजन को पता ही नही था। जबसे यूपी में योगी सरकार आई तबसे पर्यटन विभाग से लोगों का जुड़ाव शुरू हुआ। आज हालत यह है कि यह पर्यटन विभाग बड़ा राजस्व अर्जन वाला विभाग बन गया है। एक पर्यटक आता है तो सीधे कम से कम आधा दर्जन लोगों की आमदनी होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा हिस्सेदार बनने जा जा रहा है पर्यटन विभाग। देश विदेश के पर्यटन यूपी की ओर आकर्षित हुए हैं, यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह दावा मीडिया से मुखातिब प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने किया। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की वर्तमान उपलब्धियों में पर्यटन से सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान, यात्रा और पर्यटन में रोजगार सृजन, और विश्व आर्थिक मंच के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक में 39वें स्थान पर आना शामिल है। सरकार वेलनेस, ईको, ग्रामीण और आध्यात्मिक जैसे आधुनिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, और प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ परिपथों का विकास कर रही है। 2027 तक 10 फीसदी वार्षिक क्षेत्रीय वृद्धि और पर्यटन से राज्य की जीडीपी में 15 फीसदी योगदान का लक्ष्य है।पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार सृजन का लक्ष्य है।सरकार चिकित्सा पर्यटन, ईको–टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे आधुनिक आयामों को बढ़ावा दे रही है।ग्रामीण पर्यटन के विकास पर भी ध्यान केंद्रित है, जिसमें ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन, कुशीनगर और गोरखपुर जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है। रामायण परिपथ, व्रज परिपथ और बौद्ध परिपथ जैसे परिपथों का विस्तार हुआ है। प्रमुख सड़कों के किनारे ढाबे और फूड कोर्ट विकसित किए जा रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि पहले कोई न नीति थी न रीति। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022 को लागू किया है। एआई तकनीक की मदद से पर्यटकों की गिनती की जा रही है।राज्य के होटलों और रिसॉर्ट के लिए स्टार वर्गीकरण प्रणाली शुरू की है। वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए जीआई टैग और ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा दिया है। हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने की कोशिश की है। स्थानीय कलाकारों का रजिस्ट्रेशन शुरू किया है।कोई विधानसभा क्षेत्र ऐसा नहीं, जहां हमारा विभाग काम न कर रहा है। धार्मिक स्थलों और धरोहरों को विकसित किया है ताकि देश ही नही विदेशी पर्यटकों की भी आमद बढ़े,आमद बढ़ेगी तो आमदनी भी बढ़ेगी।कलाकारों को तीन श्रेणियों एबीसी में बांटा गया है, उन्हें कैटगरी मुताबिक मानदेय पर विभाग प्रोग्राम दिलाता है। हैरिटेज बिल्डिंगों को विकसित किया है।यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट ने यूपी के बाहर भी काम किया है। हरिद्वार में हमारे विभाग के यात्री गृह से करोड़ों की आय हो रही है, अभी बदरीनाथ में बनकर तैयार है, जल्दी शुभारंभ होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा,एसईआर के मामले विपक्ष नाहक हो हल्ला मचा रहा है। इनकी आदत बन गई है, अच्छा हो तो भी इन्हें अच्छा नहीं लगता।

योगी एक्शन,गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी सस्पेंड, विभागीय जांच के आदेश

लखनऊ, संवाददाता। गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी यानि बीएसए अतुल कुमार तिवारी को अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने उनके खिलाफ अनुशासनिक जांच के आदेश भी दिए हैं। कार्रवाई मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल और जिलाधिकारी गोंडा की संस्तुति पर हुई है। जांच में पाया गया कि बीएसए द्वारा विद्यालयों में बच्चों के लिए डेस्क आपूर्ति के टेंडर में भारी अनियमितताएं की गईं। कुछ टेंडरदाताओं से 10 लाख रुपये की वसूली कर विशेष कैटलाग पर बिड प्रकाशित कराई गई थी, जो तकनीकी मानकों और जेम पोर्टल के नियमों के पूरी तरह विपरीत थी। यह प्रक्रिया राज्य परियोजना निदेशक द्वारा तय एसओपी के भी खिलाफ पाई गई। बीएसए पर योजनाओं, कार्यक्रमों को समय पर पूरा न करने, शासनादेशों का पालन न करने, गलत पत्रावलियां प्रस्तुत करने, कार्य की निगरानी में लापरवाही बरतने के आरोप भी लगे हैं। उन्होंने डीएम और सीडीओ के निर्देशों की भी अनदेखी की थी। इन सभी आरोपों के प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर शासन ने उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली के तहत निलंबित किया है।निलंबन के दौरान अतुल कुमार तिवारी को नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा, बशर्ते वे यह प्रमाणित करें कि वे किसी अन्य सेवा या व्यापार में संलग्न नहीं हैं।

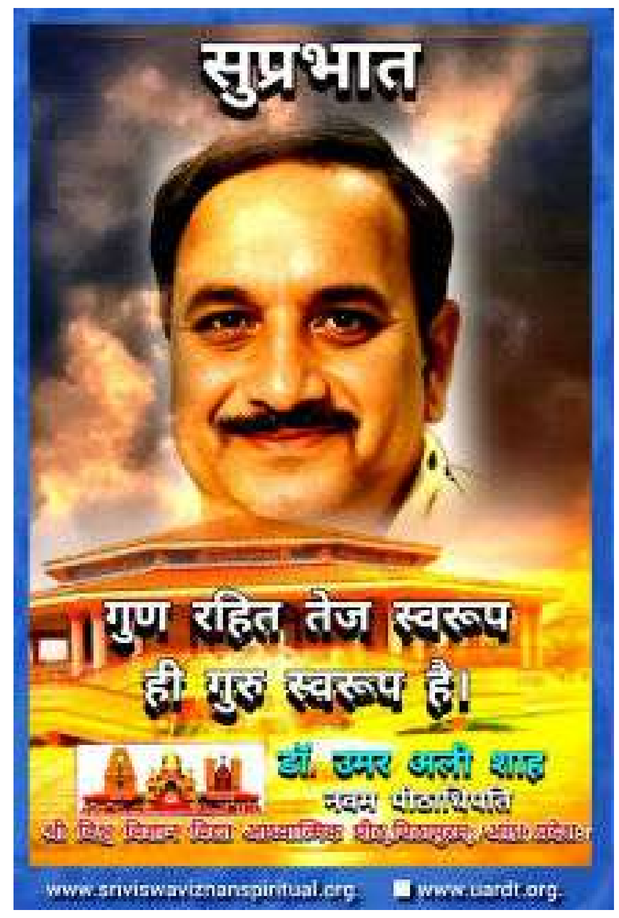

गेंदा प्यारा फूल है

रुत चाहे अनुकूल हो, या हो फिर प्रतिकूल।
पंखुड़ियों में रंग भर, खिलता गेंदा फूल।
खिलता गेंदा फूल, महकता सारा उपवन।
कर उसको महसूस, हवाएँ करती वंदन।
सुन लो कहें प्रदीप, सदा खुद्द को कर प्रस्तुत।
देता सबको सीख, डरो मत हो कोई रुत।।

गेंदा प्यारा फूल है, उपवन करे बखान।
रूप रंग अरु गंध से, पढ़ इसका विज्ञान।
पढ़ इसका विज्ञान, बताता दर्शन सारा।
जन्म–मृत्यु इतिहास,सभी कुछ जिसका न्यारा।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा करे सवेरा।
प्यारा है वह फूल, नाम उसका है गेंदा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा व स्वच्छ लखनऊ की थीम पर होगी लखनऊ मैराथन

रोडीज फेम रणविजय 16 नवम्बर को करेंगे मैराथन का फ्लैगऑफ

लखनऊ, संवाददाता। शहर में आगामी 16 नवम्बर को होने जा रही लखनऊ मैराथन यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा व स्वच्छ लखनऊ की थीम पर आधारित होगी। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईईएमआर) और संस्कृति युवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हो रही यह मैराथन 1090 चौराहा से शुरू होगी। जिसका फ्लैगऑफ एमटीवी रोडीज रणविजय सिंहा करेंगे। आयोजक मुकेश मिश्रा ने बताया कि एस.के. फाइनेंस के सहयोग से हो रही चार किलोमीटर की दौड़ को महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मैराथन की सभी श्रेणियों के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। सभी पंजीकृत धावकों को एक आकर्षक रेस किट, टी–शर्ट, शानदार मेडल और डिजिटल सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। आयोजक मुकेश मिश्रा ने कहा लखनऊ के लिए यह दोहरी खुशी है कि पहले एस.के. मैराथन के साथ यूथ आइकन रणविजय सिंहा भी हैं। रणविजय सिर्फ एक स्टार नहीं हैं, वे एक एटीट्यूड हैं फिटनेस, हिम्मत और जुनून का। उनका हमारे साथ होना यह साबित करता है कि यह मैराथन सिर्फ दौड़ नहीं, बल्कि लखनऊ के युवाओं की ऊर्जा का उत्सव है। हमें पूरा विश्वास है कि रणविजय को अपने बीच पाकर लखनऊ का हर युवा दौड़ेगा लखनऊ की इस मुहिम से पूरे दिल से जुड़ेगा।

क्या अमीनाबाद में एक और नया थाना बन गया है

अमीनाबाद चौराहे पर लगा बोर्ड उत्पन्न कर रहा नये थने का भ्रम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अमीनीबाद क्षेत्र मे लगता है कि एक और नया थाना श्री राम रोड चौराहा बना दिया गया है। पर किसी को भनक तक नहीं लगी ,यहां तक उत्तरप्रदेश के नक्शे पर भी इस नये थाने का कोई पता नहीं है।,पुलिस विभाग के शीर्ष अफसरों को शायद इस अण्डर कवर थाने की जानकारी हो। यदि किसी पीड़ित को अपनी शिकायत करनी हो तो क्या पीड़ित फोन पर यह कहेगा कि क्या मेरी श्री राम रोड चौराहा थाना प्रभारी से बात हो रही है। जब श्री राम रोड चौराहा पर लगे इस छोटे से फ्लेक्स पर अंकित थाना प्रभारी के नंबर को चेक किया गया तो यह नंबर श्री राम रोड चौराहा थाना प्रभारी का न होकर थाना प्रभारी अमीनाबाद का निकला। भले ही यह बोर्ड केवल चौराहे का संकेत मात्र ही हो लेकिन यह आम लोगों के लिये भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर रहा है। क्या थाना प्रभारी बता सकते है कि श्री राम रोड चौराहा थाना कहां पर स्थित है।

लखनऊ जेल में कड़ी हो गई सुरक्षा व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली धमाके के बाद लखनऊ जेल प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिला कारागार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हाई सिक्योरिटी बैरक में 50 बंदी रखे गए हैं जिनमें 18 आतंक के आरोपी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक अफसरों ने जेल में बाहरी लोगों का प्रवेश अस्थायी रूप से रोका गया है। अंदरूनी बैरकों में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया है। गहन छानबीन शुरू हो गई है। अब जेल में प्रवेश से पहले आधार व पहचान पत्र अवश्य दिखाना होगा। 3650 बंदियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। जेलकर्मियों और बंदियों के सामान की सघन जांच की जा रही है।वॉच टॉवर, चहारदीवारी और मुख्य द्वार पर तैनाती बढ़ाई गई है।

केजीएमयू कुलपति ने ओपीडी में दिया मरीजों को परामर्श

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) की मलाल कुलपति और प्रसिद्ध हिमेटोलॉजिस्ट प्रो. सोनिया नित्यानंद ने बुधवार को हिमेटोलॉजी विभाग की ओपीडी में रोगियों को परामर्श दिया। कुलपति ने विभाग में शिक्षकों की कमी को देखते हुए ओपीडी में मरीज देखने की शुरुआत की है।

सम्पादकीय........

फिर दहली दिल्ली

सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए धमाके में कुछ अनमोल जिंदगियों का खत्म होना बेहद दुखद है। काफी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। धमाके के बाद आसपास के कई वाहनों में लगी आग पर काबू पाने में अग्निशमन दल को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पहली नजर में पुलिस इसे आतंकी घटना मानकर चल रही है। इसे संयोग मानें या दुर्योग कि आतंकवादियों के किसी भीड़–भाड़ वाले स्थान को निशाने बनाने से पहले कार में ही धमाका हो गया। देश की केंद्रीय एजेंसियां आतंकवादियों की साजिश को बेनकाब करने में जुटी हैं। पहले फरीदाबाद में कई जगह से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी और फिर दिल्ली में धमाके का एक दिन होना, निस्संदेह किसी बड़ी साजिश की आशंका की ओर इशारा कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा स्थित फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव में राज्य और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की साझा रेड में करीब तीन हजार किलो से अधिक विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ था। इस मामले में गिरफ्तार दो आरोपी कश्मीरी मूल के बताए जाते हैं। इससे पहले रविवार को गांव के एक कमरे से 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद होने की बात कही जा रही है। कल पुलिस ने दूसरे घर से 2,563 संदिग्ध विस्फोटक की बरामदगी की है। बताया जाता है कि एक मौलाना ने यह घर एक डॉ. मुजामिल ने किराये पर लिया हुआ था। पुलिस तफ्तीश में जुटी है कि इस विस्फोटक का कहां इस्तेमाल किया जाना था और क्या इनके किसी आतंकी संगठन से तार जुड़े हैं। पुलिस का दावा है कि डॉक्टर के फरीदाबाद स्थित ठिकाने से अधिकारियों ने अमोनियम नाइट्रेट और अन्य रासायनिक पदार्थों सहित आईईडी बनाने की सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। जाहिर है, देश के भीतर बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रची जा रही थी। इस मामले में मिल रही चौंकाने वाली जानकारी इसी ओर संकेत कर रही है।जम्मू–कश्मीर पुलिस दावा कर रही है कि उसने विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर चिकित्सों के एक कट्टरपंथी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। आधिकारिक सूत्र दावा कर रहे हैं कि इस साजिश का खुलासा उस समय हुआ जब श्रीनगर के नोगाम इलाके में एक पोस्टर लगा दिखा, जिसमें दुकानदारों को केंद्रीय एजेंसियों से लेन–देन न करने की चेतावनी दी गई थी। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज में पोस्टर लगाने वाले जिस व्यक्ति की शिनाख्त हुई, वह सहारनपुर में कश्मीरी मूल का डॉक्टर अदील निकला। पूछताछ में उसके श्रीनगर में कुछ अन्य डॉक्टरों से संबंधों का खुलासा हुआ। डॉ. अदील की गिरफ्तारी के बाद फरीदाबाद में डॉ. मुजामिल सहित अन्य डॉक्टरों की पहचान हुई। बताते हैं कि फरीदाबाद स्थित एक क्लीनिक से ही बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि मानवता की सेवा की शपथ लेकर चिकित्सा के पेशे में आने वाले लोग कैसे कट्टरपंथ के चलते लोगों की जिंदगी छीनने वाले खौफनाक खेल का हिस्सा बन गए। जाहिर है, इस मॉड्यूल का मकसद देश के विभिन्न हिस्सों में धमाकों के जरिये दहशत फैलाना ही रहा होगा। निश्चय ही बड़ी मात्रा में विस्फोटकों की बरामदगी तथा आईईडी बनाने के सामान बरामद होना किसी बड़ी साजिश की ओर ही इशारा कर रहा है। निस्संदेह, राजग सरकार के दौरान दिल्ली में हुआ यह पहला बड़ा धमाका सरकार की चिंता बढ़ाने वाला है। लाल किले मेट्रो स्टेशन के निकट हुए धमाके में इस्तेमाल कार में बैठे एक घायल व्यक्ति की गिरफ्तारी की खबर कुछ सूचना माध्यमों में देखी गई। यदि वाकई गिरफ्तार व्यक्ति साजिशकर्ताओं का साथी निकला तो पुलिस को इस आतंकी षड्यंत्र की तह तक पहुंचने में मदद मिल सकेगी। जिससे अनेक लोगों को किसी बड़ी आतंकी साजिश का शिकार होने से बचाया जा सकेगा। संभव है कि इस देशी मॉड्यूल को पाक पोषित किसी बड़े आतंकी संगठन की शह मिली हो। बहरहाल, दिल्ली में मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों को विशेष सतर्कता बरतने का सबक जरूर दिया है। गृह मंत्रालय व एनआई, एफएसएल, एनआईए, एनएसजी आदि विभिन्न एजेंसियों की सक्रियता बता रही है कि सरकार घटना को गंभीरता से ले रही है। विश्वास करें कि सुरक्षा एजेंसियां धमाके करने वालों तक पहुंचने में शीघ्र कामयाब हो सकेंगी।

प्रदूषण पर विरोध और गिरफ्तारी

डॉ. दीपक पाचपोर

इंडिया गेट पर एक प्रदर्शनकारी ने कहा, श्यह हेल्थ इमरजेंसी है, न कि दोषारोपण का खेल। ट्रायल–एंड–एरर से हमारा भविष्य बर्बाद हो चुका है।

देश की राजधानी दिल्ली में इंडिया गेट तरह–तरह के प्रदर्शनों का गवाह रहा है, लेकिन ऐसा शायद पहली बार हुआ है कि सांस लेने के अधिकार को लेकर यहां लोगों ने अपनी आवाज बुलंद की। दिल्ली की हवा के बेहद खराब स्तर पर पहुंचने के बीच रविवार को इंडिया गेट पर श्स्मॉग से आजादी!श जैसे पोस्टर के साथ विरोध प्रदर्शन किया गया। हालांकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद सोशल मीडिया पर हिटलर के बनाए गैस चैंबर को याद करते हुए लोगों ने लिखा कि इसका विरोध करेंगे तो सजा मिलेगी ही। इस तरह की टिप्पणियां सत्ता के लिए चेतावनी है, जहां लोगों ने लोकतंत्र की बुनियाद पर सरकार बनाई, मगर अहसास तानाशाही का हुआ तो अब नाराजगी दिख रही है। बता दें कि इंडिया गेट के प्रदर्शन में बड़ी संख्या युवाओं की थी। नयी पीढ़ी के लिए अब जेन जी शब्द का इस्तेमाल होने लगा है। जनरेशन का संक्षिप्तीकरण जेन और जी यानी (अंग्रेजी वर्णमाला का आखिरी अक्षर)। बीते वक्त में बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल इन तीनों पड़ोसी देशों में युवाओं ने ही आंदोलन छेड़ा था, जिससे सत्ता बदलाव का रास्ता तैयार हुआ था। दुनिया के और भी देशों में युवा इसी तरह सड़कों पर निकले और सत्ता को झुकना पड़ा। इन उदाहरणों को सामने रखकर देश में पिछले 11 सालों से सत्तारुढ़ मोदी सरकार को भी चेतावनी मिलती रही कि बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि पर सरकार ने कदम नहीं उठाया तो जेन जी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। इधर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी अब वोट चोरी जैसे मुद्दों पर युवाओं का आह्वान करने लगे हैं कि यही पीढ़ी लोकतंत्र की रक्षा करेगी तो भाजपा को इसमें राष्ट्र–विरोधी भावनाओं की बू आने लगती है। भाजपा आरोप लगाती है कि राहुल गांधी देश में अस्थिरता लाने के लिए युवाओं को आगे कर रहे हैं। लेकिन भाजपा ने शायद यह नहीं सोचा होगा कि राजनैतिक तौर पर जिन्हें वह अहम मुद्दे मानती है, उनसे इतर प्रदूषण को लेकर युवाओं का गुस्सा भड़क जाएगा। क्योंकि प्रदूषण तो शायद मोदी सरकार के लिए कोई मुद्दा ही नहीं है, अन्यथा पिछले 11 सालों से देश यथास्थितिवाद का शिकार न हुआ होता।इंडिया गेट पर एक प्रदर्शनकारी ने कहा, श्यह हेल्थ इमरजेंसी है, न कि दोषारोपण का खेल। ट्रायल–एंड–एरर से हमारा भविष्य बर्बाद हो चुका है। सरकार को अब साफ हवा की नीति तुरंत लागू करनी चाहिए।

एक अन्य ने कहा, अमीर लोग एयर प्यूरीफायर खरीद सकते हैं या पहाड़ों पर भाग सकते हैं, लेकिन हम कहां जाएं? हर सर्दी में सांस लेने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। हवा सरकारी नहीं, सबकी है। वायु प्रदूषण कितना घातक हो चुका है, यह बात प्रदर्शन में शामिल एक डॉक्टर के बयान से समझी जा सकती है, उन्होंने कहा कि, दिल्ली में हर तीसरा बच्चा फेफड़ों की क्षति का शिकार है, वे साफ हवा वाले बच्चों से लगभग 10 साल कम जीते हैं। लंबे समय तक प्रदूषण से हृदय रोग, स्ट्रोक और अस्थमा होता है। यह गर्भ से शुरू होकर बुढ़ापे तक पीछा करता है।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पुलिस की कार्रवाई और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने एक्स पर लिखा– स्वच्छ हवा का अधिकार एक बुनियादी मानवाधिकार है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार हमारे संविधान द्वारा सुनिश्चित किया गया है। शांतिपूर्ण ढंग से स्वच्छ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है? वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है, हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है। लेकिन वोट चोरी के जरिए सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने का प्रयास कर रही है। हमें स्वच्छ हवा की मांग कर रहे नागरिकों पर हमला करने के बजाय, अभी वायु प्रदूषण पर निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता है।राहुल गांधी की इस बात को राजनैतिक विचारधारा और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर समझने की जरूरत है। वायु प्रदूषण किसी पर यह देखकर असर नहीं करता कि किसने भाजपा को वोट दिया, किसने आप को या कांग्रेस को, या कौन राम मंदिर बनने से खुश हुआ या नहीं हुआ। लोगों को यह समझने की जरूरत है कि सांस लेने जैसी नैसर्गिक बल्कि जिंदा होने की पहली शर्त पर भी जब संकट आ जाए और उस पर भी सरकार पीड़ितों पर ही कार्रवाई करे तो यह कितनी गैरजिम्मेदाराना और एक हद तक आपराधिक हरकत है।

बिहार चुनाव से पहले राहुल का 'वोट चोरी' दांवः क्या जेन-ज़ी को भड़काने की साजिश?

उमेश चतुर्वेदी

बिहार के मतदान के ठीक पहले राहुल गांधी ने नया हाइड्रोजन बम फोड़ते हुए उम्मीद की होगी कि 'वोट चोरी' के आरोप का यह नया संस्करण राज्य की चुनावी राजनीति में भूचाल ला देगा। उनके समर्थक चाहिए। आयोग ने उल्टे सवाल ही पूछ लिया है। उसका कहना कि एक से अधिक नामों से बचने के लिए मतदाता सूची संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंटों यानी बीएलए ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई? अगर ये फर्जी

और सिपहसालार दावा करने लगे हैं कि राहुल के इस बम विस्फोट ने बिहार के वोटरों की आंखें खोल दी हैं। इस जानकारी के बाद मतदाता मौजूदा मोदी और नीतीश सरकार के साथ ही बीजेपी को सावधान हो गया है। सोशल मीडिया पर यहां तक दावे किए जा रहे हैं कि राहुल के इस हमले से बिहार के मतदाताओं के बड़े वर्ग का रूख महागठबंधन की ओर हो गया है। इस मसले पर चर्चा से पहले राहुल के आरोपों की मीमांसा ज्यादा प्रासंगिक हो उठती है। राहुल के आरोपों के जवाब में हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी और चुनाव आयोग ने जो जवाब दिया है, उस पर भी गौर किया जाना मतदाता थे भी, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि उन्होंने भाजपा को ही वोट दिए? राहुल ने दावा किया है कि पिछले हरियाणा विधानसभा चुनावों में डाला गया हर आठवां वोट फ़र्ज़ी था। उनका कहना है कि राज्य में एक लाख चौबीस हज़ार से अधिक फ़र्ज़ी तस्वीरों वाले वोटर हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में श्एक ही घर में 501 वोटरों के नाम दर्ज हैं और वह घर भी सिर्फ़ कागज़ों पर है।श राहुल के अनुसार, एक बुज़ुर्ग महिला का नाम मतदाता सूची में 220 बार दर्ज है। राहुल ने इन आरोपों के जरिए हरियाणा के चुनाव नतीजों को लेकर समर्थकों के एक वर्ग को भ्रमित करने में सफल भी रहे हैं। ऐसी कोशिश वे पहले कर्नाटक और महाराष्ट्र के चुनावों के संदर्भ ऐसे ही वोट 'चोरी' के आरोप लगाकर कर चुके हैं। लेकिन राहुल के आरोपों में बहुत झोल है। उन्होंने जिस मतदाता सूची का उन्होंने ज़िक्र किया है, वह मुलाना विधानसभा क्षेत्र की है। दिलचस्प यह है कि राहुल के आरोपों के लिहाज से यहां बीजेपी को जीत मिलनी चाहिए, क्योंकि उनके हिसाब से फर्जी वोटरों ने बीजेपी को ही वोट डाला है। लेकिन मुलाना से कांग्रेस का ही उम्मीदवार जीता है। ऐसे में क्या राहुल के आरोप सवालों के घेरे में नहीं आ जाते? दिलचस्प यह है कि राहुल एग्जिट पोल को सही ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हरियाणा चुनाव के बाद पांच प्रमुख एक्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस भारी बहुमत से जीत रही थी। लेकिन नतीजे उलटे रहे। राहुल का कहना था कि इतिहास में पहली बार हरियाणा में कांग्रेस को पोस्टल बैलेट में 73 सीटों पर जीत मिली, लेकिन वोट चोरी से नतीजे बदल गए। दिलचस्प यह है कि जब यही एक्जिट पोल 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी की भारी जीत दिखा रहे थे, तब राहुल ने उन्हें भ्रम बताते हुए खारिज कर दिया था। ऐसा कैसे हो सकता है कि बीजेपी की जीत दिखाने वाला एक्जिट पोल भ्रमित करने वाला हो और जब वही कांग्रेस को जीतता दिखाए तो वह सही। यहां यह भी ध्यान देना होगा कि हरियाणा में सिर्फ 0.57 प्रतिशत मतदाताओं ने ही बैलेट और डाक मत पत्र का इस्तेमाल किया। इतने कम मतदाताओं की राय को राहुल जैसा महत्वपूर्ण राजनेता महत्व कैसे दे सकता है? राहुल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कुल मतों के अंतर के बहाने से भी कांग्रेस की हार को वोट 'चोरी' से जोड़ दिया है। उनका कहना है कि बीजेपी और कांग्रेस में सिर्फ 1.18 लाख वोटों का अंतर रहा। लेकिन कांग्रेस ने आठ सीटें 22,779 वोटों के अंतर से गंवाई। लेकिन ऐसा करते वक्त वे भूल गए कि 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की तुलना में बीजेपी को 47,827 वोट ज्यादा मिले थे, लेकिन उसकी सीटें कम रह गई थीं। हरियाणा में तो सबसे कम अंतर वाली 10 सीटों में कांग्रेस को 6 पर जीत मिली। लेकिन राहुल इसे नहीं समझ पा रहे हैं। राहुल के मुताबिक, एक महिला ने राई विधानसभा क्षेत्र के 10 अलग–अलग मतदान केंद्रों पर पर 22 बार मतदान किया। कांग्रेस ने इसे "सेंट्रल ऑपरेशन" कहा। गौरतलब है कि मतदाता सूची में एक ही नाम बार–बार मिलने से यह साबित नहीं होता कि वही व्यक्ति कई बार मतदान करने गया। राहुल के सलाहकारों को उन्हें बताना चाहिए कि मतदाता सूचियों में डुप्लीकेट नाम अक्सर पलायन, टाइपिंग की गलती या फिर पहले के रिकॉर्ड के अपडेट न होने की वजह से रह जाते हैं। चुनाव आयोग इन्हीं वजहों से विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर जैसी प्रक्रिया अपना रहा है, ताकि त्रुटियों को सुधारा जा सके। लेकिन राहुल इस प्रक्रिया का भी विरोध कर रहे हैं और डुप्लिकेट नामों को लेकर सवाल भी उठा रहे हैं। वैसे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मतदाता सूची में डुप्लिकेट नाम होना या ऐसी अन्य गलती 'वोट चोरी' की वजह नहीं होती। अगर इसके जरिए फर्जी मतदान होता भी है तो सवाल यह है कि मतदान केंद्र पर मौजूद कांग्रेस के एजेंटों ने सवाल क्यों नहीं उठाए। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अभी राहुल के आरोपों पर गंभीर और विस्तृत जवाब की तैयारी में हैं। लेकिन यह भी सच है कि चुनाव आयोग ने 2 अगस्त 2024 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी किया था, जिसके बाद 4.16 लाख दावे और आपत्तियां आईं और उनका सत्यापन किया गया। इसके बाद 27 अगस्त 2024 को अंतिम मतदाता सूची को प्रकाशित किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में अगर विसंगतियां थीं तो सवाल यह है कि कांग्रेस के बीएलए ने सवाल क्यों नहीं उठाए। चुनाव आयोग ने 16 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची सभी दलों और उम्मीदवारों को दोबारा दी थी, इसके बाद हुए चुनावों में लगभग 87 हजार मतदान केंद्र एजेंटों ने 20 हजार मतदान केंद्रों की निगरानी की। दिलचस्प यह है कि मतगणना के दौरान सिर्फ पांच शिकायतें ही मिली हैं। उनमें से एक भी कांग्रेस की नहीं है, यानी कांग्रेस और उसके एजेंट उस वक्त की प्रक्रिया से संतुष्ट थे। राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कई नामों के साथ "ब्राज़ील की मॉडल की तस्वीरें" लगाई गई है। हालांकि कुछ मीडिया संस्थानों की जांच में पता चला है कि राहुल गांधी द्वारा दिए गए मतदाता पहचान पत्र नंबर और पहचान पत्र पूरी तरह वैध है और उन पर असल मतदाता की फोटो है। तो क्या यह मान लिया जाए कि राहुल की टीम ने उनसे गलत बयानी की या फिर जानबूझकर फर्जी फोटो दिखाकर देश को गुमराह किया गया? नेपाल में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में कुछ लोग जेन–जी को खूब उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे राहुल भी उन्हीं लोगों में शामिल हो गए हैं? क्योंकि उन्होंने भी इस हाइड्रोजन बम फोड़ते वक्त ना सिर्फ देश के युवाओं, बल्कि जेन–जी को उकसाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है, "मैं चाहता हूं कि जेन–जी इसे गंभीरता से ले, क्योंकि तुम्हारा भविष्य तुमसे छीना जा रहा है।"

पर्यावरणः सोचने की फुर्सत किसी को नहीं

रोहित कौशिक

लैंसेट की हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में भारत में 17 लाख से अधिक लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई। 'द लैंसट काउंटडाऊन ऑन हैल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट में वायु प्रदूषण और संबंधित मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन (जैसे कोयला और पैट्रोल) को प्रमुख कारण बताया गया है। यह रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों पर प्रकाश डालती है और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा (जैसे सूर्य का प्रकाश, पवन और पानी) को बढ़ावा देने की सिफारिश करती है। हालांकि यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कई दावों के बावजूद जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता कम नहीं हो रही है। इस उत्तर भारत के कई शहरों में वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर पर है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली–एन.सी.आर. में कई जगहों पर पी.एम. 2.5 और पी.एम. 10 कणों का स्तर मानक से कई गुणा अधिक पाया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हर साल अक्तूबर–नवम्बर में दिल्ली–एन.सी.आर. तथा देश के कई भागों में प्रदूषण के कारण हवा की गुणवत्ता काफी खराब हो जाती है। इस प्रदूषण के लिए किसानों द्वारा पराली जलाने को एक बड़ा कारण माना जाता है लेकिन वास्तविकता यह है कि पराली जलाना इस समस्या का एक कारण है। कुछ लोग और बुद्धिजीवी किसानों द्वारा पराली जलाने की प्रक्रिया को ऐसे प्रचारित करते हैं जैसे इस प्रदूषण का केवल यही एक कारण है। केवल पराली जलाने की प्रक्रिया को ही इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। इसके साथ ऐसे अनेक कारण हैं जो उन दिनों प्रदूषण बढ़ाकर हवा की गुणवत्ता खराब करते हैं। दरअसल वायु प्रदूषण बढने से सांस के रोगियों की समस्या बढ़ जाती है और स्वस्थ व्यक्ति को भी सांस सम्बन्धी बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। वायु प्रदूषण बढने पर सरकारें जरूर सक्रिय होती हैं लेकिन जैसे ही प्रदूषण कम होता है, सरकारें पुनरू सो जाती हैं। जबकि वायु प्रदूषण कम करने वाले उपायों पर पूरे साल सक्रियता के साथ काम होते रहना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि कोई भी तकनीक प्रदूषण को कम करने में सहायता तो कर सकती है लेकिन इसे पूरी तरह से खत्म नहीं कर सकती। कई बार मौसम में परिवर्तन भी इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार होता है। रही–सही कसर हमारी नासमझी और मानवीय गतिविधियां पूरी कर देती हैं। यही कारण है कि प्रदूषण कम करने के लिए नीतियां तो बनती हैं लेकिन उनका सही ढंग से क्रियान्वयन न होने के कारण नतीजा ढाक के तीन पात रहता है। सरकारी नीतियों के सही ढंग से क्रियान्वयन के साथ जब तक जनता पूर्ण रूप से जागरूक नहीं होगी, वायु प्रदूषण को पूरी तरह से कम नहीं किया जा सकता। दरअसल धूल, धुएं और कुहासे से बना स्मॉग हमारे लिए कई समस्याएं पैदा करता है। जब ईंधन जलता है, वायुमंडलीय प्रदूषण या गैसें हवा में मौजूद सूरज की रोशनी और वातावरण में इसकी गर्मी के साथ प्रतिक्रिया करती हैं, जिससे स्मॉग बनता है। इस मौसम में हर साल इस स्मॉग के कारण प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ जाता है। निर्माण कार्य भी इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके साथ ही वाहनों का प्रदूषण भी इस स्मॉग को बढ़ाता है। गौरतलब है कि काफी वायु प्रदूषण वाहनों के माध्यम से होता है। वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बनमोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन तथा सस्पेन्डेड पर्टिकुलेट मैटर जैसे खतरनाक तत्व एवं गैसें

होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक हैं। कार्बनमोनोऑक्साइड जब सांस के माध्यम से शरीर के अन्दर पहुंचता है। तो वहां हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर कार्बोक्सी हीमोग्लोबिन नामक तत्व बनाता है। इस तत्व के कारण शरीर में आक्सीजन का परिवहन सुचारू रूप से नहीं हो पाता है। नाइट्रोजन मोनोऑक्साइड एवं नाइट्रोजन डाइऑक्साइड भी कम खतरनाक नहीं हैं। नाइट्रोजनमानोऑक्साइड , कार्बनमोनोऑक्साइड की तरह ही हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर शरीर में आक्सीजन की मात्रा घटाता है। इसी तरह नाइट्रोजन डाइऑक्साइड फेफड़ों के लिए बहुत ही खतरनाक है। इसकी अधिकता से दमा और ब्रोंकाइटिस जैसे रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। वातावरण में हाइड्रोकार्बन की अधिकता कैंसर जैसे रोगों के लिए जिम्मेदार है। वाहनों से निकलने वाला इथाईलीन जैसा हाइड्रोकार्बन थोड़ी मात्रा में भी पौधों के लिए हानिकारक है। सस्पेन्डेड पर्टिकुलेट मैटर बहुत छोटे–छोटे कणों के रूप में विभिन्न स्वास्थ्यगत समस्याएं पैदा करते हैं। ऐसे तत्व हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाकर सांस संबंधी रोग उत्पन्न करते हैं। वास्तविकता यह है कि आज पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के बारे में सोचने की फुर्सत किसी को नहीं है। पुराने जमाने में पर्यावरण के हर अवयव को भगवान का दर्जा दिया जाता था। इसीलिए हम पर्यावरण के हर अवयव की इज्जत करना जानते थे। नए जमाने में पर्यावरण के अवयव वस्तु के तौर पर देखे जाने लगे और हम इन्हें मात्र भोग की वस्तु मानने लगे। उदारीकरण की आंधी ने तो हमारे समस्त ताने–बाने को ही नष्ट कर दिया। इस प्रक्रिया ने पर्यावरण के अनुकूल समझ विकसित करने में बाधा पहुंचाई। यह समझ विकसित करने के लिए एक बार फि र हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें यह मानना होगा कि प्रदूषण की यह समस्या किसी एक शहर, राज्य या देश के सुधरने से हल होने वाली नहीं है। पर्यावरण की कोई ऐसी परिधि नहीं होती है कि एक जगह प्राकृतिक संसाधनों का दोहन या प्रदूषण होने से उसका प्रभाव दूसरी जगह न पड़े। इसीलिए इस समय सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण के प्रति चिन्ता देखी जा रही है। सवाल यह है कि क्या खोखले आदर्शवाद से वायु प्रदूषण का मुद्दा हल हो सकता है।

ईशा देओल बोलीं- धर्मेंद्र के निधन की खबरें गलत,उनकी हालत स्थिर

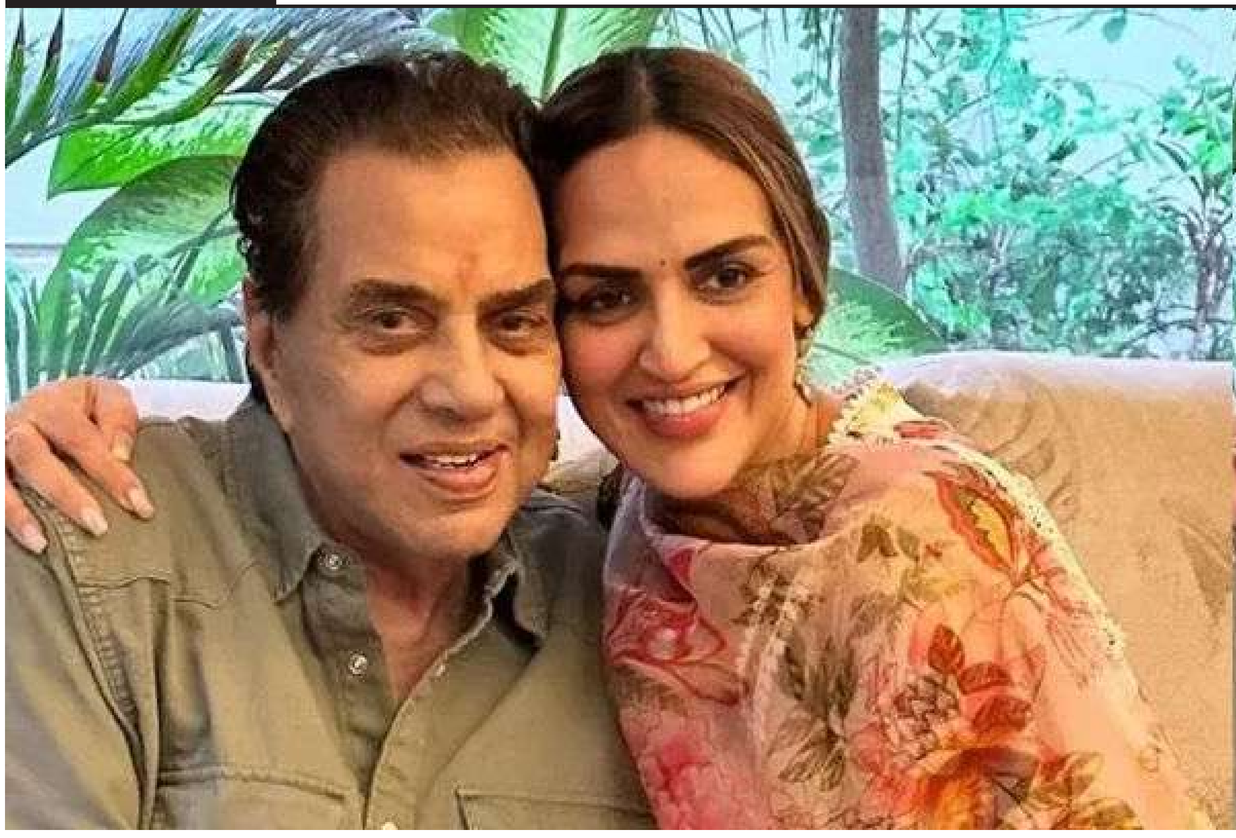

> धर्मेंद्र को सोमवार को सांस लेने में तकलीफ होने के चलते सोमवार (१० नवंबर) को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां हालत स्थिर न होने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उनके लिए ७२ घंटे क्रिटिकल हैं। सनी देओल की टीम ने मंगलवार को धर्मेंद्र की हेल्थ को लेकर नया अपडेट दिया है।

एक्टर धर्मेंद्र (89) की बेटी ने उनके निधन की खबर को गलत बताया है। ईशा ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा मीडिया पूरी तरह गलत खबरें फैला रहा है। पापा की हालत स्थिर है और वे रिकवर कर रहे हैं। हम सभी से निवेदन करते हैं कि हमारे परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें। पापा की जल्दी सेहतमंदी के लिए दुआ करने के लिए धन्यवाद। हेमा मालिनी ने भी निधन की खबरें सामने आने के बाद नाराजगी जताते हुए लिखा– जो हो रहा है, वह माफ करने लायक नहीं है। जिम्मेदार चौनल किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज का जवाब दे रहा है और ठीक हो रहा है? यह बेहद असम्मानजनक और गैर–जिम्मेदाराना व्यवहार है। कृपया परिवार और उनकी निजता की आवश्यकता का सम्मान करें। मंगलवार सुबह धर्मेंद्र के निधन की खबर मीडिया में आई थी। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर शोक जताया। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी पोस्ट हटा ली। धर्मेंद्र को सोमवार को सांस लेने में तकलीफ होने के चलते सोमवार (10 नवंबर) को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां हालत स्थिर न होने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उनके लिए 72 घंटे क्रिटिकल हैं। सनी देओल की टीम ने मंगलवार को धर्मेंद्र की हेल्थ को लेकर नया अपडेट दिया है। टीम का कहना है कि ट्रीटमेंट के बाद धर्मेंद्र की सेहत में सुधार आ रहा है। वो रिकवर कर रहे हैं। उनकी अच्छी सेहत और लंबी उम्र के लिए दुआ करिए। देओल परिवार के करीबी सूत्र के अनुसार, धर्मेंद्र की बेटियों को विदेश से मुंबई बुलाया गया है। बीती रात सनी देओल अस्पताल के बाहर बेहद भावुक नजर आए, वहीं बॉबी देओल भी अल्फा की शूटिंग छोड़कर मुंबई लौट आए और पिता से मिलने पहुंचे थे। शाहरुख, सलमान समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स सोमवार देर रात ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल पहुंचे।

चक दे इंडिया की एक्ट्रेस के पिता की हालत गंभीर,यूएस से इंडिया आई फैमिली, मांगी जल्द ठीक होने की दुआ

बॉलीवुड इंडस्ट्री से इस वक्त काफी चिंता में डाल देने वाली खबरें सामने आ रही हैं। पहले दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र की बिगड़ी तबीयत, फिर अभिनेता प्रेम चोपड़ा अस्पताल में भर्ती और अब फेमस एक्ट्रेस विद्या मालवड़े के पिता की सेहत बिगड़ गई है। तबीयत बिगड़ने के बाद विद्या के पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर दी है और बताया कि इस मुश्किल वक्त में परिवार उनके जल्द सही होने की दुआ मांग रहा है। फिल्म चक दे इंडिया में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी विद्या मालवड़े ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, जो लोग भी मुझे मैसेज कर रहे हैं, उन सभी से सॉरी। हमारे नो शुगर, नो ग्रेन चौलेंज के बाकी मेन्यू पोस्ट न करने के लिए माफी। जैसा कि आप लोग जानते हैं, मेरे पापा की तबीयत ठीक नहीं थी। उन्हें तुरंत हॉस्पिटल में एडमिट करना पड़ा और वह अभी भी वहीं हैं। इस वजह से मेरे लिए अपने मेन्यू बनाने और उन्हें पोस्ट करने के लिए टाइम निकालना मुश्किल हो गया। क्योंकि उनकी सेहत जाहिर है मेरी पहली प्रायोरिटी है। विद्या ने आगे लिखा, मेरी फैमिली यूएस से यहां आई हुई है। और हम उनके जल्दी ठीक होने की दुआ कर रहे हैं और उम्मीद है कि हम 2026 से पहले दिसंबर में 2 हफ्ते का चौलेंज कर पाएंगे। आपकी शुभकामनाओं, दुआओं और दयालुता के लिए धन्यवाद। काम की बात करें तो विद्या मालवड़े ने विक्रम भट्ट की फिल्म इंतेहा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। बाद में विद्या ने शाहरुख खान के साथ फिल्म चक दे इंडिया में काम किया। इसके बाद वह और भी कई फिल्मों में नजर आईं।

प्रभास के 23 सालः भारत के पहले अनडिस्प्यूटेड पैन-इंडिया सुपरस्टार की जर्नी

यह 23 शानदार साल हो चुके हैं जब अनडिस्प्यूटेड पैन–इंडिया सुपरस्टार प्रभास ने ईश्वर फिल्म से अपना डेब्यू किया था, और इन वर्षों में वे एक फेनोमेनन बन गए हैं। एक होनहार नए कलाकार से लेकर भारतीय सिनेमा के वैश्विक विस्तार का चेहरा बनने तक, प्रभास ने स्टारडम की हर परिभाषा को बदल दिया है।

सब कुछ बदल देने वाला मोड़ था– बाहुबली

इस फिल्म ने सिर्फ रिकॉर्ड नहीं तोड़े, बल्कि सीमाएं भी मिटा दीं। जब बाहुबली 2 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी, तब प्रभास सिर्फ एक तेलुगु सुपरस्टार नहीं रहे वे भारत के पहले सच्चे पैन–इंडिया सुपरस्टार बन गए। उसके बाद हर बड़ी रिलीज को बाहुबली के स्तर पर मापा जाने लगा, एक ऐसा मानक जिसे आज भी सिर्फ प्रभास ही पूरा करते हैं। प्रभास को वास्तव में अलग बनाता है उनकी वह दुर्लभ क्षमता जिससे उनकी हर फिल्म एक इवेंट बन जाती है। साहो से लेकर सलार पार्ट 1– सीजफायर और काल्कि 2898 ए.डी. तक उनकी हर फिल्म भाषाओं और सीमाओं से परे जाकर चर्चा का विषय बन जाती है। खासकर काल्कि 2898 ए.डी. ने एक बार फिर उनकी ताकत साबित की, जब उसने रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग के साथ यह दर्शा दिया कि प्रभास ही अकेले ऐसे अभिनेता हैं जिनकी पाँच फिल्मों ने 100 करोड़ की ओपनिंग दी है बाहुबली 2, साहो, आदिपुरुष, सलार, और काल्कि 2898 ए.डी.। आज जब दर्शकों के पास अनगिनत विकल्प हैं, तब भी प्रभास भारतीय सिनेमा के डे 1 किंग बने हुए हैं।

उनका पैन–इंडिया अपील बेमिसाल है।

पौराणिक कथाओं से लेकर भविष्यवादी कहानियों तक, हर प्रभास फिल्म एक सिनेमाई भव्यता के रूप में बनाई जाती है बड़ी स्क्रीन पर देखने के लिए। और फिर भी, इस सारे पैमाने और स्टारडम के बीच, उनकी विनम्रता ही है जो लोगों के दिलों को छूती है। दुनियाभर के प्रशंसक उन्हें सिर्फ अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी पूजते हैं मृदुभाषी, दयालु और जमीन से जुड़े हुए, चाहे शोहरत कितनी भी ऊँची क्यों न हो। अब जब प्रभास अपने सिनेमा के 23वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, वे अपने करियर के एक असाधारण मुकाम पर खड़े हैं। सलार पार्ट 2 शौर्यांग पर्व, स्पिरिट, फौजी, द राजा साब, काल्कि 2898 ए.डी. पार्ट 2 और कई अन्य फिल्मों के साथ, उनकी आने वाली लाइनअप भारतीय सिनेमा के भविष्य की झलक पेश करती है।

प्रभास सिर्फ एक सुपरस्टार नहीं हैं

वे दक्षिण और उत्तर के बीच, भव्यता और सादगी के बीच एक सेतु हैं। तेईस साल बाद भी उनका जादू फीका नहीं पड़ा बल्कि और भी प्रबल हो गया है। और जैसे–जैसे दर्शक उनकी हर नई फिल्म का इंतजार करते हैं, एक सच्चाई हर बार गूंजती है सिर्फ एक प्रभास हैं, और वे आज भी सहजता से राज कर रहे हैं भारत के अनडिस्प्यूटेड पैन–इंडिया सुपरस्टार के रूप में।

बिग बॉस 19 के घर से बाहर होने के बाद अशनूर कौर संग अपने रिश्ते को लेकर बोले अभिषेक बजाज-प्यार बड़ा इमोशन और ताकत है

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अभिषेक बजाज, अशनूर कौर को लेकर खूब चर्चा में रहे। शो में दोनों की नजदीकियों को देख लोगों ने समझा कि दोनों के बीच कुछ न कुछ चल रहा है। कई बार तो बिग बॉस के उनके को–कंटेस्टेंट भी उन्हें छेड़ते नजर आए। वहीं, अब हाल ही में अभिषेक बजाज ने घर से बेघर होने के बाद प्यार को लेकर खुलकर बात की। मीडिया से बातचीत में अभिषेक बजाज ने साफ किया, "ये सिर्फ दोस्ती थी और है। प्यार बड़ा इमोशन है, उससे डरना नहीं चाहिए, बल्कि वो ताकत है। अभी ऐसा कुछ नहीं है। हां, अशनूर क्यूट है और शो के मोमेंट्स को रील्स में देखकर अच्छा लगता है।"अभिषेक ने अशनूर की जीत की दुआ करते हुए कहा, "मैं चाहता हूं कि अशनूर ट्रॉफी जीते और अभिनूर की जीत हो।" मालूम हो, शो में दोनों की जोड़ी को देख फैंस ने इन्हें 'अभिनूर' का नाम दे दिया। अशनूर संग दोस्ती और प्यार के अलावा अभिषेक ने नियम तोड़ने वाली कॉन्ट्रोवर्सी पर भी बात की और कहा, "ये हमारी गलती थी और मैं इसे स्वीकार करता हूं। इसके लिए मुझे अफसोस है, खासकर उन दोस्तों के लिए जिन पर असर पड़ा, लेकिन एलिमिनेशन इसके लिए ज्यादा सजा थी, क्योंकि ये नॉमिनेशन नहीं था। गलतियां इंसान से होती हैं, हम परफेक्ट नहीं।"

सिद्धार्थ शुक्ला का जिक्र कर फिर भावुक हुई शहनाज गिल, बोलीं- वो मुझे काफी मैच्योरिटी देकर गए

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 से शोहरत हासिल करने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म इक कुड़ी को लेकर चर्चा में बनी हुई है। एक्ट्रेस इस फिल्म का प्रमोशन कई बड़े–बड़े प्लेटफॉर्म पर कर रही हैं और इसी कड़ी में वह हाल ही में यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबडिया के पॉडकास्ट में पहुंची। इस दौरान वह अपनी फिल्म के साथ–साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई खुलासे करती नजर आईं और बीच में सिद्धार्थ शुक्ला का जिक्र कर भावुक हो गईं। रणवीर अल्लाहबडिया के पॉडकास्ट में शहनाज गिल ने कहा, सिद्धार्थ शुक्ला मुझे काफी मैच्योरिटी देकर गए हैं। जब वो सब कुछ हुआ, उसके बाद मैं मैच्योर हो गई हूं। नहीं तो मैं वही बिग बॉस वाली शाहनाज होती, किसी दुनिया की परवाह नहीं, कुछ नहीं। कभी–कभी मैं इंस्टाग्राम पर रील देखा करती हूं, तो सोचती हूं मैं क्या थी? मैं ऐसी थी? जिंदगी अपने आप बदल गई और मेरे भाई ने भी मुझे बदल दिया। मैं तो चड़ीगढ जाने वाली थी, मगर सिद्धार्थ ने कहा नहीं जाना है, यही रहना है अब। उसने मुंबई में मेरे सारे काम करवाने में मदद की क्योंकि मुझे कुछ नहीं पता था। यहां रहकर मैंने खुद को ग्रूम किया और जमीन से उठकर अपने करियर को बनाया।'बता दें, शहनाज गिल को टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 13 से खूब पॉपुलैरिटी मिली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और करियर में सफलता हासिल की। बिग बॉस 13 में शहनाज गिल का नाम उनके को–कंटेस्टेंट सिद्धार्थ शुक्ला से जुड़ा था। दोनों की लव केमिस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद किया, लेकिन अफसोस साल 2021 में एक्टर की डेथ हो गई और दोनों की जोड़ी टूट गई। सिद्धार्थ के निधन से शहनाज गिल भी बुरी तरह टूट गई थीं, लेकिन वो हिम्मत से आगे आईं और अब अपने करियर पर फोक्स कर रही हैं। वहीं, शहनाज गिल की हालिया रिलीज फिल्म की बात करें तो इक कुड़ी 31 अक्टूबर को रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। यह अमरजीत सिंह सरोन द्वारा लिखित और निर्देशित है।

सर्दियों में रूखी-बेजान त्वचा से पाएं छुटकारा, रसोई का सरसों तेल करेगा कमाल, जानें कैसे

खासतौर पर हाथ-पैरों की स्किन रूखी होने लगती है। जिसके कारण न सिर्फ खुजली की समस्या हो सकती है। वहीं स्किन रूखी होने पर हाथ-पैर सफेद नजर आना शुरू हो जाते हैं। बता दें कि रसोई में रखी पीली चीज यानी की सरसों का तेल इस समस्या को दूर कर सकता है।

आजकल मौसम में बदलाव आना शुरू हो गया है। गर्मियां जा रही हैं और धीरे-धीरे सर्दियों का आगमन हो रहा है। ऐसे में स्किन का रूखा हो जाना आम बात है। खासतौर पर हाथ-पैरों की स्किन रूखी होने लगती है। जिसके कारण न सिर्फ खुजली की समस्या हो सकती है। वहीं स्किन रूखी होने पर हाथ-पैर सफेद नजर आना शुरू हो जाते हैं। बता दें कि रसोई में रखी पीली चीज यानी की सरसों का तेल इस समस्या को दूर कर सकता है। ऐसे में आपके लिए यह जानना जरूरी है कि सरसों के तेल का उपयोग कैसे किया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्किन के रूखेपन को दूर करने के लिए सरसों के तेल का कैसे उपयोग करना चाहिए।

ऐसे करें सरसों का तेल उपयोग

सरसों का तेल इस्तेमाल करने के लिए पहले इसको गुनगुना करें। फिर रात में सोने से पहले अपने हाथ-पैरों पर हल्के-हल्के हाथों से मालिश करें। ध्यान रहे कि आपको मालिश तब तक करनी है, जब तक सरसों का तेल स्किन में समा नहीं जाए। फिर प्रभावित स्थान को पानी से नहीं धोना है, बल्कि ऐसे ही सो जाएं। ऐसा करने से आपकी त्वचा सरसों के तेल को सोख लेगी और आपको स्किन के रूखेपन से भी राहत मिल जाएगी।

सरसों के तेल में विटामिन ई पाया जाता है, यह दोनों ही स्किन के लिए बेहद उपयोगी है। ऐसे में आप सरसों के तेल में विटामिन ई कैप्सूल को मिलाकर इससे हाथ-पैर की मालिश करें। इसको रात भर के लिए अपनी त्वचा पर लगा रहने दें। फिर अगले दिन गर्म पानी से साफ कर लें, ऐसा करने से फायदा होगा। बता दें कि ग्लिसरीन और सरसों का तेल भी त्वचा के लिए उपयोगी है। ऐसे में आप दोनों को बराबर की मात्रा में मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। ऐसा करने से फायदा होगा।

जानिए सरसों के तेल के फायदे

सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है, यह न सिर्फ स्किन को मुलायम बनाता है, बल्कि स्किन को भी कोमल बनाए रखता है।

अगर आप फंगल इंफेक्शन से खुद का बचाव करना चाहती हैं, तो सरसों के तेल में पाए जाने वाला एंटी फंगल गुण आपका इससे बचाव कर सकता है।

रूखी स्किन की वजह से अक्सर खुजली की समस्या होती है, तो इस समस्या से राहत पाने में भी सरसों का तेल बेहद उपयोगी है।

सरसों का तेल लंबे समय तक स्किन पर नमी बनाए रखता है। साथ ही सरसों का तेल स्किन को पपड़ीदार होने से भी रोकता है।

प्रेमानंद जी महाराज से जानिए लड्डू गोपाल को स्नान के बाद उस जल का क्या करें?

प्रेमानंद जी महाराज के सत्संगों के वीडियो सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होते रहते हैं। उनके ज्ञान और भक्ति भाव से जुड़े विचार लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। हाल ही में उनका एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें एक भक्त ने उनसे बहुत ही सरल लेकिन महत्वपूर्ण सवाल पूछा, लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद उस जल का क्या करना चाहिए?

भगवान के स्नान जल का सम्मान पूर्वक निस्तारण करें

प्रेमानंद जी महाराज ने इस सवाल का उत्तर देते हुए कहा कि, भगवान को स्नान कराने के बाद उस जल को कभी भी यूं ही नहीं बहाना चाहिए या नाली में नहीं फेंकना चाहिए। वह जल पवित्र होता है क्योंकि वह भगवान के शरीर से लगा होता है। इसलिए उसका निस्तारण बहुत श्रद्धा और ध्यानपूर्वक करना चाहिए।

जल को तुलसी के पौधे में अर्पित करें

उन्होंने बताया कि सबसे अच्छा उपाय यह है कि उस जल को तुलसी माता के पौधे में अर्पित कर देना चाहिए। तुलसी माता स्वयं बहुत पवित्र मानी जाती हैं और भगवान विष्णु की प्रिय हैं, इसलिए तुलसी को वह जल अर्पित करना बहुत पुण्य दायक होता है।

जल को स्वयं ग्रहण करना भी शुभ

अगर आप चाहें तो उस जल को खुद भी ग्रहण कर सकते हैं। क्योंकि वह भगवान का स्पर्श किया हुआ जल होता है, वह चरणामृत के समान होता है और इसे पीना आत्मा को शुद्ध करता है।

ऐसी जगह डालें जहाँ किसी के पैर न पड़े

अगर आपके घर में तुलसी का पौधा नहीं है, तो उस जल को ऐसी जगह डालना चाहिए जहां किसी के पैर न पड़ें। कभी भी भगवान के जल को अपवित्र स्थानों पर न डालें। ऐसा करना अनादर माना जाता है।

जल को पवित्र नदी में प्रवाहित करें

प्रेमानंद जी महाराज ने यह भी कहा कि अगर कोई अन्य विकल्प नहीं है, तो आप उस जल को इकट्ठा करके किसी पवित्र नदी में, जैसे गंगा या यमुना, में जाकर प्रवाहित कर सकते हैं।

लड्डू गोपाल को चढ़ाए गए फूलों का क्या करें?

अगर आप रोजाना लड्डू गोपाल को फूल चढ़ाते हैं तो उन्हें इकट्ठा करके रखें। इसके बाद उन फूलों को किसी पौधे की जड़ में डाल सकते हैं, या फिर किसी पवित्र स्थान पर ले जाकर गड्ढा खोदकर उन्हें दबा सकते हैं।

लड्डू गोपाल के वस्त्रों को कैसे रखें?

महाराज जी ने यह भी बताया कि लड्डू गोपाल जी के वस्त्रों को बहुत ही सावधानी और श्रद्धा के साथ धोना चाहिए। धोने के बाद उन्हें अच्छे से सुखाकर संभालकर रखें। भगवान के वस्त्र भी उतने ही पवित्र होते हैं जितने कि भगवान स्वयं। अब से जब भी आप लड्डू गोपाल जी को स्नान कराएं तो प्रेमानंद जी महाराज की इन बातों का ध्यान रखें। इन नियमों का पालन करके न केवल आप भगवान की सेवा अच्छे से कर पाएंगे, बल्कि आपके घर में भी सकारात्मक ऊर्जा और शांति बनी रहेगी।

कब्ज से परेशान? दूध में मिलाकर पी लें ये एक चीज, सुबह पेट रहेगा बिलकुल साफ!

कब्ज पेट से जुड़ी एक आम लेकिन परेशान करने वाली समस्या है। इसमें व्यक्ति को मल त्याग करने में कठिनाई होती है। कई बार मल इतना कड़ा हो जाता है कि घंटों टॉयलेट पर बैठे रहने के बाद भी पेट पूरी तरह साफ नहीं होता। अगर लंबे समय तक कब्ज बनी रहे, तो जोर लगाने से बवासीर जैसी गंभीर परेशानी भी हो सकती है। अगर आप भी कब्ज से परेशान हैं, तो चिंता छोड़िए! रसोई में मौजूद एक साधारण सी चीज को दूध में मिलाकर पीने से पेट सुबह-सुबह एकदम साफ हो जाएगा।

कब्ज से छुटकारा पाने का घरेलू उपाय दूध और घी का कमाल

दूध और घी का संयोजन कब्ज के लिए बेहद असरदार उपाय है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप दूध को हल्का गर्म करें।

उसमें एक चम्मच देसी घी डालें।

रात को सोने से पहले इस मिश्रण को पी लें।

यह नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करता है।

मल को मुलायम बनाता है और सुबह पेट को पूरी तरह साफ करता है।

गर्म नींबू पानी भी है असरदार

अगर आप सुबह नींबू पानी पीने की आदत डाल लें, तो कब्ज की समस्या धीरे-धीरे कम हो जाती है।

कैसे लें

एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़ें और खाली पेट पिएं।

यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालता है और हाइड्रेशन बनाए रखता है।

दही और अलसी के बीज का सेवन

एक कटोरी दही में एक चम्मच अलसी के बीज मिलाकर खाएं।

यह नेचुरल फाइबर का अच्छा स्रोत है।

मल में भारीपन लाता है और मलत्याग को आसान बनाता है।

कभी-कभी लें कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल एक पारंपरिक उपाय है जो मजबूत लैक्सेटिव की तरह काम करता है।

केवल कभी-कभी ही इसका सेवन करें (1 चम्मच)।

बार-बार पीने से शरीर की प्राकृतिक पाचन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

यह जानकारी केवल सामान्य ज्ञान के लिए दी गई है। किसी भी तरह के इलाज की शुरुआत से पहले हमेशा अपने डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।

अपर बॉडी है हैवी, ये सीक्रेट टिप्स दिलाएंगी परफेक्ट और बैलेंस लुक

हम सभी अक्सर सोचती हैं कि अगर हम मॉर्डन या डिजाइनर आउटफिट खरीदेंगे, तो इससे हमारा लुक काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आएगा। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है। किसी भी आउटफिट में स्टाइलिश और ट्रेंडी दिखने के लिए जरूरी है कि सही कपड़ों को चयन किया जाए। ऐसे कपड़े जो न सिर्फ स्टाइलिश हों बल्कि आपकी बॉडी को बैलेंस्ड दिखाएं। वहीं ऐसे आउटफिट जो बॉडी की खामियों को छिपाकर आपकी खूबियों को हाइलाइट करें। अगर आपकी अपर बॉडी हैवी है, तो ऐसे आउटफिट्स पहनने पर विचार करें, जोकि आपकी लोअर बॉडी की तरफ सबका ध्यान खींचें। ऐसे आउटफिट कैरी करना चाहिए, जिससे बॉडी काफी हद तक बैलेंस्ड नजर आएगी। इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको अपर वियर में बिल्कुल ही बोरिंग कपड़े पहनने हैं। बस जरूरत है कि आप सही कलर चुनने के साथ स्टाइल को भी चुनें और हर बार अपने लुक को खास और बैलेंस्ड बनाएं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे आउटफिट आइडियाज के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि अपर बॉडी पर काफी ज्यादा अच्छे लगेंगे।

ऐसा हो अपरवियर

अगर आपकी अपर बॉडी हैवी है तो आप कुर्तियां और टॉप्स पहन सकती हैं। लेकिन इन्हें आपको स्मार्टली चुनना चाहिए। प्रयास करें कि नेकलाइन वी नेक, स्कूप, स्वीटहार्ट या डीप राउंड नेक हो। क्योंकि यह बॉडी को लंबा दिखाते हैं और इस तरह से कंधे और बस्ट भी हल्के नजर आते हैं।

स्लीवलेस में आप 3/4 स्लीव्स से लेकर कोई भी हल्की फ्लेयर्ड स्लीव्स कैरी कर सकती हैं। आप स्लीव्स बहुत टाइट फिटिंग वाली नहीं पहननी चाहिए। अगर टॉप के कलर की बात की जाए, तो आप अपर वियर में डार्क कलर जैसे नेवी ब्लू, ब्लैक, वाइन या डार्क ग्रीन कैरी कर सकती हैं। यह आपको स्लिम लुक देंगे।

ऐसा हो लोअर वियर

अगर आपकी अपर बॉडी हैवी है, तो आपको ऐसे आउटफिट पहनने चाहिए। जिससे हर किसी का ध्यान आपकी अपर बॉडी पर नहीं बल्कि लोअर बॉडी पार्ट पर जाए। ऐसे में आप लोअर वियर फ्लेयर्ड स्कर्ट्स और ए-लाइन पहन सकती हैं। यह बॉडी के निचले हिस्से में वॉल्यूम बढ़ाकर ऊपरी हिस्से को बैलेंस करती हैं। इसके साथ ही आप वाइड लेग पैंट, प्लाजो और बूटकट जींस आदि पहनकर बॉडी को बैलेंस्ड लुक दे सकती हैं।

अपर बॉडी हैवी होने पर कभी भी स्किनी जीन्स और पेंसिल स्कर्ट्स नहीं पहनना चाहिए, क्योंकि इससे आपका निचला हिस्सा अधिक स्लिम दिखेगा। ऐसे में अपर बॉडी और भी हैवी महसूस होगी।

साड़ी को ऐसे करें स्टाइल

अगर आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जिनको एथनिक वियर पहनना पसंद है, तो आप साड़ी पहन सकती हैं। साड़ी में जॉर्जेट, शिफॉन और क्रेप जैसे फैब्रिक चुनें। साड़ी को स्टाइल करते समय हैवी ब्लाउज पहनने से बचना चाहिए। कोशिश करें कि इस दौरान पल्लू लंबा और स्लिम प्लीट्स वाला हो। इससे आपकी अपर बॉडी स्लिम महसूस होती है।

जब पहनें कुर्ती सूट

अगर आप कुर्ती-सूट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना रही हैं, तो आप हाई स्लिट, ए लाइन या फिर स्ट्रेट कुर्तियां पहन सकती हैं। प्रयास करें कि सूट की एंब्रायडरी नीचे हेमलाइन पर हो। इससे सबका ध्यान नीचे की तरफ ही जाएगा।

संक्षिप्त

अशोक लेलैंड का बंपर मुनाफा! दूसरी तिमाही में 820 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ, 7प्रतिशत की ग्रोथ

वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 820 करोड़ रुपये रहा। लाभ में यह वृद्धि विभिन्न खंडों में मजबूत बिक्री के कारण हुई है। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में 767 करोड़ रुपये रहा था। अशोक लेलैंड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय एकीकृत आधार पर बढ़कर 12,577 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 11,142 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में एमएचसीवी (मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन) और एलसीवी (हल्के वाणिज्यिक वाहन) दोनों खंड में सकारात्मक वृद्धि रही। अशोक लेलैंड ने कहा कि दूसरी तिमाही में उसके मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन खंड में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 25,542 इकाई से बढ़कर 26,307 इकाई हो गयी। वहीं हल्के वाणिज्यिक खंड में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 16,629 इकाई से बढ़कर 17,697 इकाई हो गयी। कंपनी का निर्यात सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सालाना आधार पर 45 प्रतिशत बढ़कर 4,784 इकाई रहा। अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने कहा, ''बेहतर मांग के साथ हम लगातार लाभदायक वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। हमारा मजबूत और हर खंड में बेहतर प्रदर्शन हमारे उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता और ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रतीक है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में, हम पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षेस (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) जैसे अपने प्रमुख बाजारों में विस्तार रणनीति को और तेज कर रहे हैं।

रुपया शुरुआती कारोबार में 15 पैसे टूटकर 88.65 प्रति डॉलर पर

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे टूटकर 88.65 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर नए आशावाद ने निचले स्तर पर घरेलू मुद्रा को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.61 पर खुला। फिर 15 पैसे टूटकर 88.65 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.50 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.50 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 502.82 अंक चढ़कर 84,374.14 अंक पर जबकि निफ्टी 144.05 अंक की बढ़त के साथ 25,839 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 803 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सॉफ्टबैंक ने एनवीडिया से निकाली पूरी हिस्सेदारी, 5.8 अरब डॉलर का बंपर मुनाफा कमाया

जापान की दिग्गज टेक कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प ने अमेरिकी चिप निर्माता एनवीडिया में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी हैं। कंपनी ने इस सौदे से करीब 5.8 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया हैं। यह फैसला ऐसे समय में आया हैं जब सॉफ्टबैंक के संस्थापक मासायोशी सोन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।I) से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं में निवेश की तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि टोक्यो स्थित सॉफ्टबैंक ने मार्च तक एनवीडिया में लगभग 3 अरब डॉलर की हिस्सेदारी बढ़ाई थी। इस निवेश और

विजन फंड की मजबूत कमाई के चलते कंपनी ने अपने वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.5 ट्रिलियन येन (करीब 16.2 अरब डॉलर) का अप्रत्याशित शुद्ध लाभ दर्ज किया हैं, जो विश्लेषकों के अनुमान 418.2 अरब येन से कहीं अधिक हैं। गौरतलब हैं कि कंपनी ने मंगलवार को अपने शेयरों को और आकर्षक बनाने के लिए 4–के–बदले–1 का स्टॉक स्प्लिट भी घोषित किया हैं, जो 1 जनवरी से लागू होगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, सॉफ्टबैंक अब ।I से जुड़ी प्रमुख कंपनियों जैसे व्चमद ।I और ओरेकल कार्पोरेशन में हिस्सेदारी रखता हैं, जिससे कंपनी के कागजी लाभ और बाजार मूल्य दोनों में तेज उछाल आया हैं। पिछले तीन महीनों में सॉफ्टबैंक के शेयरों में 78ः की बढ़ोतरी दर्ज की गई हैं, जो 2005 के बाद सबसे मजबूत तिमाही प्रदर्शन हैं। सिटीग्रुप के विश्लेषक केइची योनेशिमा ने कहा कि कंपनी अब पहले की तुलना में ज्यादा निवेशों से लाभ कमा रही हैं, इसलिए आने वाले समय के लिए अनुमान बढ़ाए गए हैं। उन्होंने सॉफ्टबैंक के शेयर का लक्ष्य मूल्य 27,100 येन तय किया हैं और व्चमद ।I के भविष्य के मूल्यांकन को 500 अरब से 1 ट्रिलियन डॉलर के बीच माना हैं। बता दें कि सॉफ्टबैंक पहले अमेरिकी चिपमेकर मारवेल टेक्नोलॉजी को खरीदने की योजना पर भी विचार कर चुका हैं। हालांकि, नए निवेशों के लिए फंडिंग जुटाना कंपनी के लिए एक चुनौती बनी हुई हैं। कंपनी को व्चमद ।I में लगभग 20 अरब डॉलर और एम्पीयर कंप्यूटिंग के अधिग्रहण के लिए करीब 6.5 अरब डॉलर की जरूरत होगी।

पहले टेस्ट में इस स्टार की टीम इंडिया में जगह पक्की, कोच ने किया एलान, कहा– वह शानदार फॉर्म में हैं

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया ने अपने संयोजन को लगभग तय कर लिया है। टीम के सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने बुधवार को पुष्टि की कि विकेटकीपर–बल्लेबाज ध्रुव जुरेल पहले टेस्ट में खेलेंगे, जबकि ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को बाहर बैठना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास संयोजन को लेकर साफ रणनीति है। पिछले छह महीनों में ध्रुव का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने हाल ही में बंगलूरू में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक लगाए हैं, इसलिए वह निश्चित रूप से इस हफ्ते खेलेंगे।'

नीतीश रेड्डी को नहीं मिला पर्याप्त गेम टाइम

कोच डेशकाटे ने आगे कहा कि टीम की रणनीति जीत पर केंद्रित है और फिलहाल नीतीश रेड्डी को लेकर कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, नीतीश को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ज्यादा गेम टाइम नहीं मिला था। इस सीरीज के महत्व और परिस्थितियों को देखते हुए, ऐसा लगता है कि वह पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे।

जुरेल का शानदार फॉर्म बना चयन की वजह

ध्रुव जुरेल ने घरेलू सीजन में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी हालिया आठ फर्स्ट–क्लास पारियों में स्कोर इस प्रकार रहे– 140, 1 और 56, 125, 44 और 6, 132 और 127 नाबाद रन। इस दौरान उन्होंने तीन शतक, एक अर्धशतक और एक 40+ स्कोर बनाया। ऐसे में चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के पास उन्हें नजरअंदाज करने का कोई कारण नहीं था। जुरेल पहले ही अपने टेस्ट डेब्यू पर शतक जड़ चुके हैं और उन्हें टीम का भविष्य का मुख्य बल्लेबाज माना जा रहा है।

ऋषभ पंत की वापसी के बावजूद जगह बनाई

ऋषभ पंत की फिटनेस के बाद भी जुरेल को बतौर बल्लेबाज खेलने का मौका मिलेगा। इस बार टीम प्रबंधन ने पंत को विकेटकीपिंग की भूमिका में रखा है, जबकि जुरेल को स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में शामिल किया गया है। यह उनकी तकनीकी मजबूती

और लगातार प्रदर्शन की गवाही है।

भारत का लक्ष्य मजबूत शुरुआत

कोलकाता में होने वाला यह मुकाबला सीरीज का पहला टेस्ट है और टीम इंडिया का लक्ष्य शानदार शुरुआत करना होगा। दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों में जुरेल का चयन टीम को संतुलन और गहराई दोनों देगा। टीम इंडिया टेस्ट चौंपियंस दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी जीतना चाहेगी। इससे

विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल के लिए उनका दावा और मजबूत होगा।

हमारे लिए कोई माफी नहीं: भारत से हार और आलोचना पर टूटा हारिस का सब्र, एशिया कप फाइनल की नाकामी पर रोते दिखे

कराची। खराब प्रदर्शन की वजह से आलोचनाओं के घेरे में आए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ का रोना जारी है। दरअसल, एशिया कप के दौरान फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों ने उनकी खूब धुनाई की थी और उनके एक 17 रन के ओवर ने मैच पलट दिया था। अब इस पर हारिस रऊफ ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कठोरता पर खुलकर अपनी बात रखी है। रऊफ ने कहा कि क्रिकेट में खिलाड़ियों से हमेशा रोबोट जैसी परफॉर्मेंसट की उम्मीद की जाती है, जबकि वे भी इंसान हैं और उनसे भी गलती हो सकती है। रऊफ ने यह बयान श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मैच के बाद दिया, जिसमें उन्होंने चार विकेट लेकर पाकिस्तान को छह रन से जीत दिलाई।

हमारे लिए कोई माफी नहीं, हारिस का दर्द

पोस्ट–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रऊफ से उनके बड़े मैचों में फ्लॉप होने पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने साफ कहा, श्हमारे लिए कोई माफी नहीं होती। हमसे हमेशा रोबोट जैसी परफॉर्मेंस की उम्मीद की जाती है। लेकिन हम इंसान हैं, हमारे

भी बुरे दिन आ सकते हैं।श रऊफ ने कहा कि क्रिकेट में हर खिलाड़ी का एक खराब दिन आता है, लेकिन जरूरी यह है कि वह हार न माने। हारिस ने कहा, मुख्य बात यह है कि आप हारें नहीं। बुरे दिन से कोई मरता नहीं है।

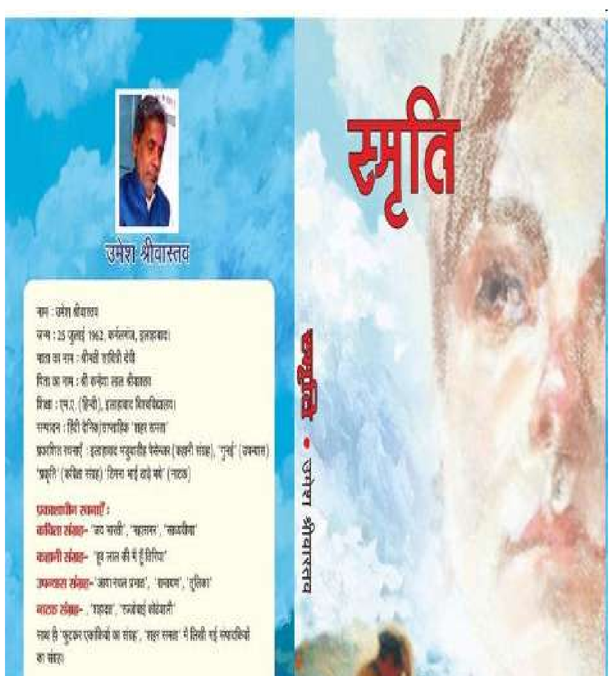

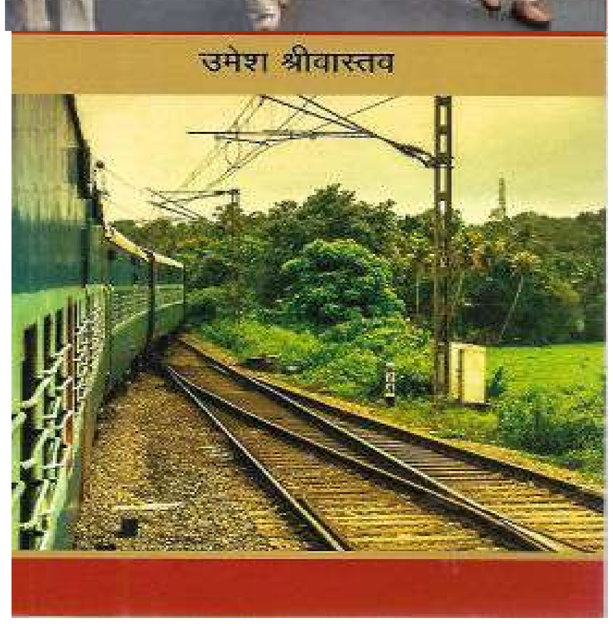

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

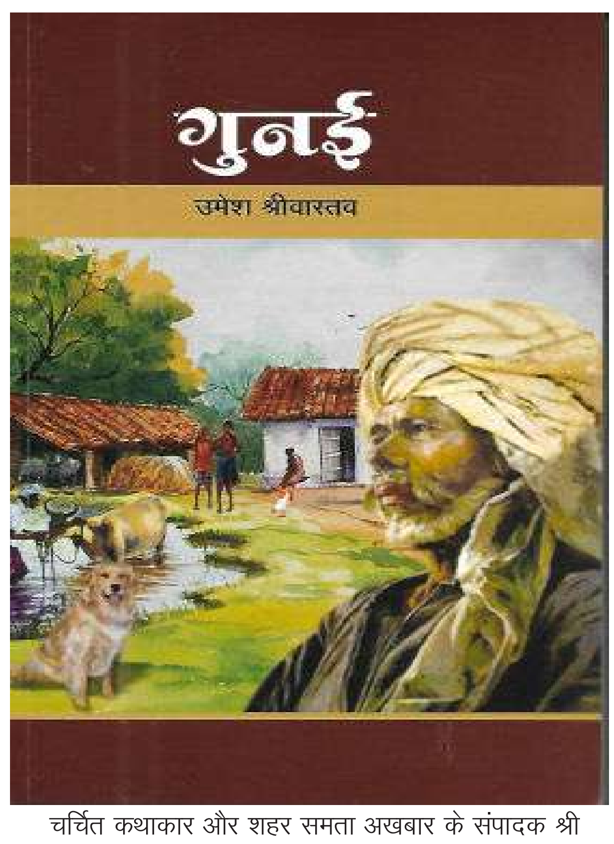

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

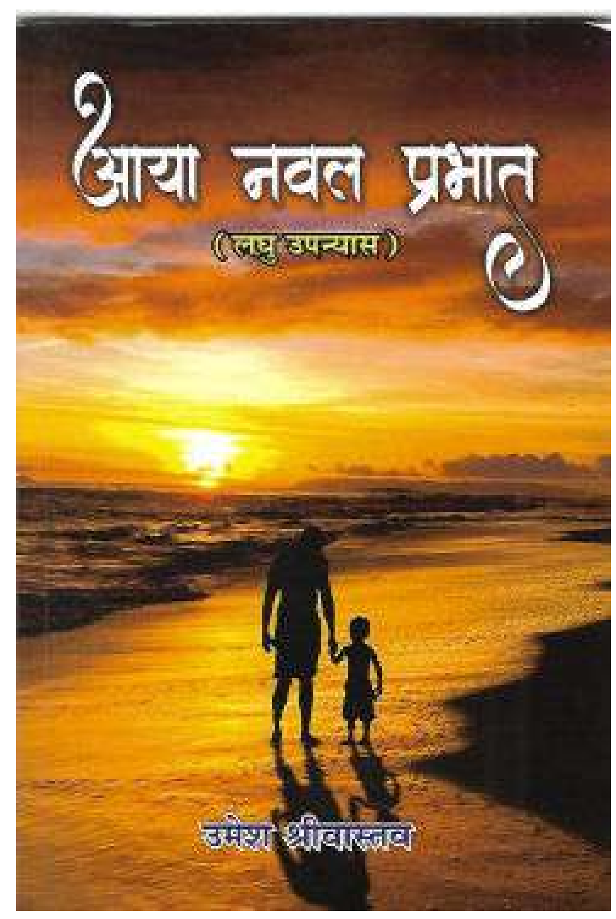

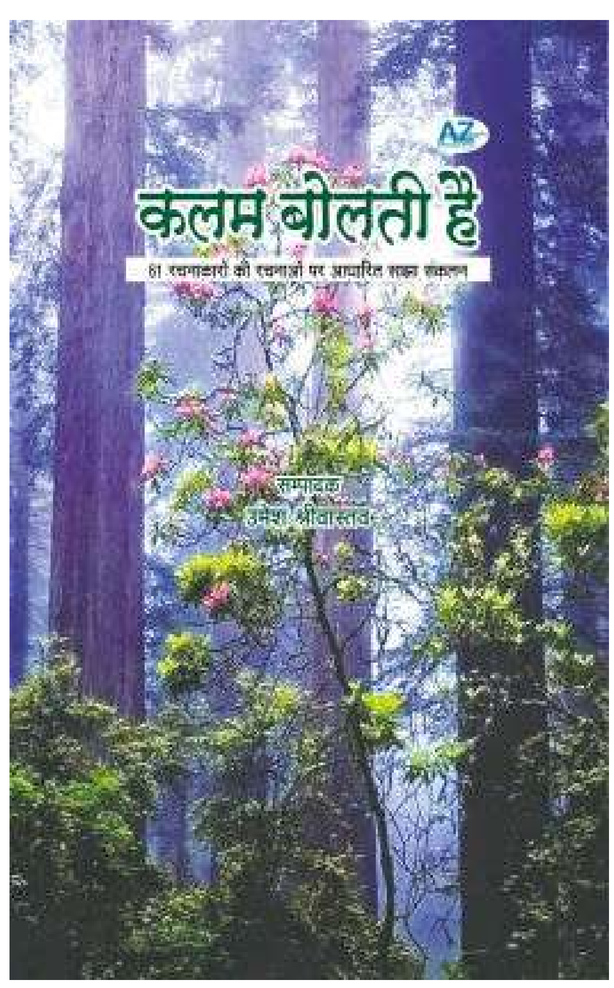

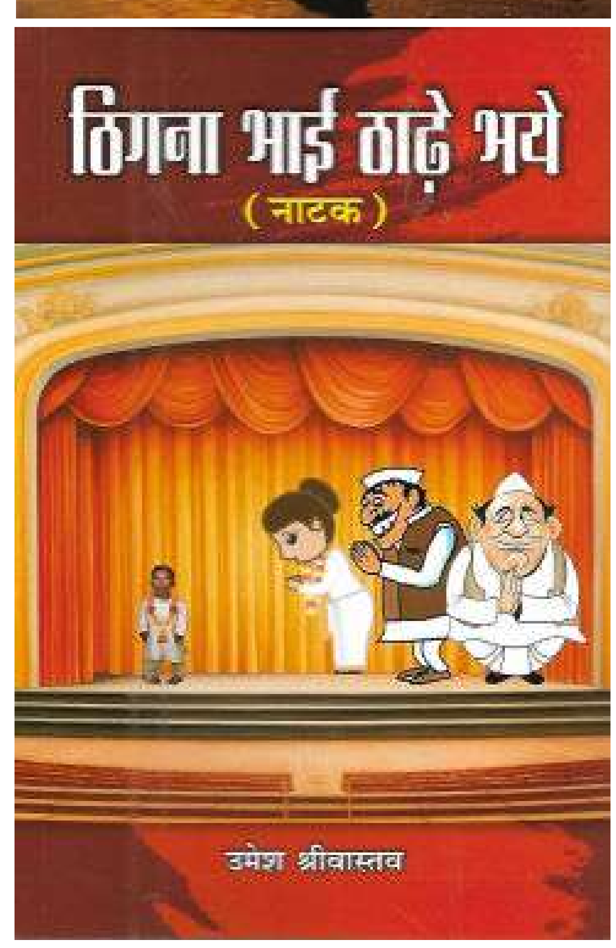

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इस्राइली लोगों का फलिस्तीनी गांवों पर हमला, लगाई आग

इस्राइल और फलिस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि दर्जनों नकाबपोश इस्राइल निवासियों ने मंगलवार को कब्जे वाले पश्चिमी तट के दो फलिस्तीनी गांवों पर हमला किया और वाहनों व अन्य संपत्तियों में आग लगा दी। इसके बाद उपद्रव को रोकने के लिए भेजे गए इस्राइल सैनिकों के साथ उनकी झड़प हुई। यह पश्चिमी तट पर युवा प्रवासियों द्वारा किये गए हमलों की श्रृंखला में नवीनतम था। इस्राइली पुलिस ने कहा कि चार इस्राइल नागरिकों को ष्चरमपंथी हिंसाष के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि इस्राइल सेना ने बताया कि चार फलिस्तीनी घायल हुए हैं। पुलिस और इस्राइल की शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि वे जांच कर रहे हैं।

ब्रिटिश राजनीतिक टिप्पणीकार सामी हमदी अमेरिका छोड़ने को तैयार

ब्रिटिश राजनीतिक टिप्पणीकार सामी हमदी दो हफ्ते से अधिर समय तक आव्रजन हिरासत में रहने के बाद स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने जा रहे हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि उन्होंने इस्राइल की आलोचना की थी। ट्रंप प्रशासन ने उन पर हमास का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हमदी 26 अक्टूबर को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले अमेरिका में एक भाषण दौरे पर थे। गिरफ्तारी से एक दिन पहले ही उन्होंने काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) के सैक्रामेंटो, कैलिफ़ोर्निया चौप्टर के वार्षिक समारोह को संबोधित किया था। सोमवार देर रात एक बयान में संगठन ने कहा कि हमदी ने स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने के प्रस्ताव को स्वीकार करने का फैसला किया है।

इस्राइल में महाराजा दिग्विजय सिंह की प्रतिमा का अनावरण

इस्राइल में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश और कुछ यहूदी बच्चों के सम्मान में नवानगर (अब जामनगर) के महाराजा दिग्विजयसिंह रंजीतसिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। भारतीय और कोचिनी यहूदी विरासत केंद्रों ने उन्हें असाधारण करुणा के लिए सम्मानित किया। उन्होंने 1942 में यहां 1,000 बच्चों के लिए आश्रय बनवाया था।

अमेरिका में गूंजेगी महाकुंभ की धुन, ग्रैमी के लिए नामांकन

अब जल्द ही अमेरिका में भी महाकुंभ की धुन गूंजेगी। एल्बम साउंड्स ऑफ कुंभ को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम की श्रेणी में 68वें ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकन मिला है। यह एल्बम महाकुंभ उत्सव से प्रेरित है। इसे गायक–कंपोजर सिद्धांत भाटिया की तरफ से प्रस्तुत किया गया है। इस एल्बम में 12 उम्दा गीत हैं।

तुर्किये का सैन्य विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त 20 जवान थे सवार

तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को जॉर्जिया में अजरबैजान की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल समेत 20 सैन्यकर्मी सवार थे। हालांकि, तत्काल हताहतों के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। विमान सी–130 सैन्य मालवाहक था, जो अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्किये लौट रहा था।

टेक्सास नदी में कयाक पलटने से दो किशोर डूबे, पिता लापता

टेक्सास की एक नदी में कयाक पलट जाने से दो किशोर डूब गए और उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदने वाले एक लड़के के पिता अभी भी लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सैन जैसिंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि दोनों किशोर कैमिला शहर के निकट और लिविंगस्टन बांध के दक्षिण में एक नाव रैंप के पास थे, जब रविवार शाम को ट्रिनिटी नदी में तूफानी स्थिति के कारण उनकी कयाक पलट गई। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, एक लड़के के पिता उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद पड़े। तीनों पानी में डूब गए और फिर बाहर नहीं आ पाए। टेक्सास पार्क एवं वन्यजीव विभाग के कानून प्रवर्तन प्रभाग, टेक्सास गेम वार्डन्स के अनुसार, 14 और 15 वर्ष की आयु के दो किशोरों के शव रविवार रात को बरामद किये गये।

जमैका में तूफान मेलिसा से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 45, अभी भी 15 लापता

जमैका में तूफान मेलिसा से मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है, जबकि 15 अन्य लोग लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि अधिकारी अभी भी दो कस्बों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं, जो 28 अक्टूबर को पश्चिमी जमैका में श्रेणी 5 के विनाशकारी तूफान के आने के बाद से ही कटे हुए हैं। जमैका के आपातकालीन प्रबंधन कार्यालय के महानिदेशक एल्विन गेल ने बताया कि हेलीकॉप्टरों से उन दोनों समुदायों में खाद्य सामग्री और अन्य बुनियादी सामग्री पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तूफान के कारण 30,000 परिवार विस्थापित हो गए हैं, 1100 लोग अभी भी 88 आपातकालीन आश्रयों में रह रहे हैं। गेल ने बताया कि लगभग तीन दर्जन सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं, क्योंकि मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों ने बताया कि 50: ग्राहकों के पास मोबाइल सेवा है, तथा 70: से अधिक ग्राहकों के पास अब पानी उपलब्ध है। इस बीच, कर्मचारियों ने 60% से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली बहाल कर दी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पीओके में आतंकियों की मीटिंग, दिल्ली ब्लास्ट की साजिश मुनीर ने रची ? पाकिस्तान के पूर्व मेजर का हैरान करने वाला खुलासा

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की एक ऐसी साजिश का खुलासा हुआ है जिसके सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। दरअसल पाकिस्तान के एक पूर्व मेजर आदिल रजा ने दावा किया है कासिम मुनीर भारतीय नेवी के 20 जहाज डुबोने का प्लान बना रहा है। इसके लिए पाकिस्तान के मिराज विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। पाकिस्तान के रिटायर होने वाले फाइटर जेट्स को भारत के वॉरशिप से टकरा दिया जाएगा। 50 साल पुराने यह विमान पाकिस्तान को फ्रांस से मिले थे। फिलहाल पाकिस्तान की वायुसेना में 51 मिराज 3 और 37 मिराज फाइव फाइटर जेट मौजूद हैं जो 50 साल से ज्यादा पुराने हैं। आपको बता दें कि मुनीर की पर हारबर साजिश का खुलासा करने वाले आदिल रजा पहले पाकिस्तानी फौज में मेजर थे। मगर जैसे ही इन्होंने मुनीर की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाई मुनीर ने कोर्ट मार्शल करके इन्हें निकलवा दिया। तब से विदेश में बैठकर मुनीर एंड कंपनी को यह एक्सपोज करते रहते हैं। आपको याद होगा आदिल ने ही सबसे पहले यह दावा किया था पहलगाम हमले के पीछे मुनीर का हाथ है। इसके अलावा आदिल रजा ने ही मई महीने में कहा था मुनीर दिल्ली को दहलाने की साजिश भी रच रहा है। लालकिला बम ब्लास्ट मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय अधिकारियों ने इसे विस्फोट से जुड़े जैश–ए–मोहम्मद मॉड्यूल को ध्वस्त करने के मामले में सख्त तथा त्वरित कार्रवाई बताया है। गृह मंत्रालय अधिकारियों ने इसे भारत द्वारा आतंकवाद का कठोरता से जवाब देना बताया है। अधिकारियों ने कहा कि लाल किले के पास हुए विस्फोट के तार जम्मू–कश्मीर से जुड़े बताए गए हैं। जिसमें जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के नौगाम पुलिस चौकी के क्षेत्र में कुछ आपत्तिजनक पोस्टर चिपके पाए गए थे। मामले में 19 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज की गई। जिसमें मौलवी इरफान अहमद वाघे को शोपियां से और जमीर अहमद को वाकुरा को गांदरबल से 20 से 27 अक्टूबर के बीच गिरफ्तार किया गया। 5 नवंबर को डॉक्टर आदील को सहारनपुर से पकड़ा गया और सात नवंबर को एक झ–56 बंदूक और अन्य गोला–बारूद अनंतनाग के एक अस्पताल से जब्त किया गया। 8 नवंबर को कुछ और बंदूक, पिस्तौल और बारूद अलफला मेडिकल कॉलेज से जब्त किए गए। गृह मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि इनसे पूछताछ के दौरान इस मॉड्यूल में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद फरीदाबाद के अलफला मेडिकल कॉलेज से एक डॉक्टर मुजम्मिल को गिरफ्तार किया गया। इन सभी सुरागों के आधार पर और गिरफ्तारियां भी की गई और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद भी जब्त किया गया। फिर 9 नवंबर को फरीदाबाद में ही मदरासी नामक व्यक्ति जो धौज फरीदाबाद का निवासी था। उसे उसके घर से पकड़ा गया और फिर अगले ही दिन 10 नवंबर को विस्फोटों की बड़ी मात्रा की खेप 2563 किलो को फरीदाबाद की धेरा कॉलोनी में पकड़ी गई।

जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नियाग्रा में जी–7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की और द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने की आशा जताई। जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने जी–7 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी के लिए आनंद को बधाई दी और 'नए रोडमैप 2025' के कार्यान्वयन में प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हम अपनी द्विपक्षीय साझेदारी और मजबूत होने की आशा करते हैं।'' आनंद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने ''व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर सहयोग'' के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, ''जी–7 विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री की भागीदारी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'' कनाडा ने जी–7 बैठक के लिए जिन साझेदार देशों को आमंत्रित किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन शामिल हैं। कनाडा ने पिछले सप्ताह कहा था कि जी–7 सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा और समृद्धि, आर्थिक लचीलापन, ऊर्जा सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा होगी। जयशंकर की कनाडा यात्रा आनंद की भारत यात्रा के एक महीने बाद हो रही है, जब दोनों पक्षों ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा के क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप का अनावरण किया था। अपनी बैठक में, दोनों विदेश मंत्रियों ने वैश्विक आर्थिक वास्तविकताओं और एक–दूसरे की 'रणनीतिक प्राथमिकताओं' को ध्यान में रखते हुए द्विपक्षीय व्यापार और निवेश पर जल्द से जल्द मंत्रिस्तरीय चर्चा शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी।

भूटान के लिए भारत ने खोला खजाना, दोनों देश मिलकर लिखेंगे संबंधों का 'स्वर्णिम अध्याय'

भारत और भूटान के रिश्ते हमेशा से ही खास रहे हैं। दोनों देशों ने आपसी तालमेल को हमेशा ही बनाए रखा है और इस कड़ी में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए पीएम मोदी फिर से भूटान पहुंचे। पीएम मोदी का यह दौरा बेहद ही खास है। जहां

दोनों देशों ने सामरिक रिश्तों को और भी मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया। इस दौरे की सबसे खास बात कुछ है तो वह है भारत की ओर से भूटान के लिए किया गया बड़ा ऐलान और यह बड़ा ऐलान है 4000 करोड़ की लाइन ऑफ क्रेडिट यानी कर्ज देने की सीमा की घोषणा जिससे भूटान को अपने विकास प्रोजेक्ट्स के लिए इसके तहत धन प्राप्ति हो पाई। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। दोनों देशों के बीच तीन एमओयूस पर भी करार हुआ जो कि तीन अलग–अलग क्षेत्रों में शामिल है। जिसमें पहला क्षेत्र है नवीनीकरण ऊर्जा। इस क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग के लिए इसे किया गया है। इसका उद्देश्य सौर, पवन, बायोमास, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में मिलकर एक साथ काम करना होगा। इसके साथ ही दूसरा एमओयू स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में किया गया। इस एमयू का उद्देश्य दवाओं, डायग्नोस्टिक उपकरणों, मातृ स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, डिजिटल हेल्थ और स्वास्थ्य पेशरों के प्रशिक्षण और अनुसंधान में सहयोग को बढ़ाना है। इसके साथ ही जो तीसरा एमयू दोनों देशों के बीच साइन किया गया है वो है पेमा सेक्रेटेरिएट और निभांस के बीच जो कि मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में दोनों देशों के बीच किया गया एमयू है। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत–भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण–प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी इसी दूरदर्शी नींव ने भूटान को दुनिया का पहला कार्बन–निगेटिव देश बनने में सक्षम बनाया है जो असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रति व्यक्ति नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भूटान विश्व के शीर्ष देशों में से एक है और वर्तमान में अपनी 100 प्रतिशत बिजली का उत्पादन नवीकरणीय स्रोतों से करता है।

रिश्तों को अहमियत देना जानते हैं, भूटान के वरिष्ठ संपादक ने की पीएम मोदी की प्रशंसा

भूटान के वरिष्ठ संपादक तेनजिंग लामसेंग ने पीएम मोदी की भूटान यात्रा को एक सुखद आश्चर्य बताते हुए कहा कि वह रिश्तों को अहमियत देना जानते हैं। तेनजिंग ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद हम सोच रहे थे कि क्या प्रधानमंत्री मोदी आ पाएंगे, लेकिन भूटान को उनके आने पर सुखद आश्चर्य हुआ। यह इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रिश्ते के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। इस रिश्ते को उन्होंने 2014 में भूटान की अपनी पहली विदेश यात्रा के बाद से पोषित करने में मदद की है। तेनजिंग ने एक के बाद एक पोस्ट में कहा, पीएम मोदी की यह यात्रा न सिर्फ दोनों देशों के निर्मित 1020 मेगावाट की पुनात्सांगचू 2 जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन करने के लिए है, बल्कि 1972 से भूटान–भारत संबंधों में मुख्य शक्ति रहे महामहिम चतुर्थ नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक को सम्मानित करने के लिए भी है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भूटान की ओर से आयोजित वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के साथ भी मेल खाती है, जिसमें कई देशों के बौद्ध गुरु भूटान में वैश्विक शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

'टैक्स सिस्टम से आपको कंट्रोल किया जाता है', एलन मस्क की इस वीडियो ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

वॉशिंगटन। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे टैक्स सिस्टम पर निशाना साधते दिख रहे हैं। एलन मस्क के इस वीडियो को कई लोगों ने साझा किया है। ब्रिटेन के मानवाधिकार कार्यकर्ता जिम फर्ग्यूसन ने भी एलन मस्क की इस वीडियो को साझा किया है। वीडियो के साथ फर्ग्युसन ने लिखा कि श्एलन मस्क ने आधुनिक गुलामी को एक वाक्य में समझा दिया है। आप काम करते हैं, तो आपको टैक्स देना पड़ता है। आप कुछ खरीदते हैं तो भी आपको टैक्स

देना पड़ता है और अगर आपके पास कोई संपत्ति है तो उस पर भी आपको टैक्स देना पड़ता है। फर्ग्युसन ने लिखा कि श्यह आपको कंट्रोल करने का चक्र है। एक ऐसी व्यवस्था है, जो आपको आदेश मानने के लिए बनाई गई है। सरकार आपके पैसे को उन चीजों पर खर्च करती है, जिन पर आपकी सहमति ही नहीं होती। हर वेतन, हर खर्च और हर संपत्ति नौकरशाही की कई परतों से होकर गुजरती है और आखिर में क्या बचता है? आपने जो कमाया उसका छोटा सा हिस्सा और इसके बदले आपको मिलता है आजादी का झूठा अहसास। जिम फर्ग्युसन ने लिखा कि श्एलन मस्क ने बहुत गहरी बात कही है।

2.30 लाख भारतीयों ने सितंबर तक किया जापान का भ्रमण

जापान घूमने जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में इस साल जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की गई है। जापान पर्यटन एजेंसी के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक 2.30 लाख भारतीय पर्यटकों ने जापान का भ्रमण किया। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 37 फीसदी अधिक है। वर्ष 2024 में कुल ढाई लाख से अधिक भारतीय जापान घूमने गए थे। एक बयान में कहा गया कि जापान में भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ संबंधों का प्रमाण है।

मैक्सिको में गुप्त कब्रगाह में मिले 16 शव, लापता लोगों के होने का संदेह

मैक्सिको के कैनकन शहर के पास एक गुप्त कब्रगाह में 16 लोगों के शव बरामद होने से सनसनी फैल गई है। क्विंटाना रू प्रांत के अटॉर्नी जनरल रासील लोपेज सालाजार ने बताया कि यह कब्रिस्तान कैनकन से 42 किमी पश्चिम में लियोना विकारियो कस्बे में स्थित है। अब तक 10 अलग–अलग स्थानों 16 लोगों के अवशेष मिल चुके हैं, जिन्हें सीमेंट और चूने से ढका हुआ था। मेक्सिको में 1.33 लाख से अधिक लोग लापता हैं, जिनमें से ज्यादातर पिछले दो दशकों में गायब हुए हैं।

दुर्घटनाग्रस्त हुए तुर्किए के सैन्य मालवाहक विमान में सवार सभी 20 कर्मियों की मौत

तुर्किए के रक्षा मंत्री ने बुधवार को बताया कि जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हुए उनके एक सैन्य मालवाहक विमान में सवार सभी 20 कर्मियों की मौत हो गई है। सी–130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्किए वापस आ रहा था, जब मंगलवार को यह अजरबैजान सीमा के पास जॉर्जिया के सिग्नाघी नगरपालिका में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।